सेंसेक्स 78,094.64 ● निफ्टी 224,383.60 ● डॉलर 95.39 ₹ ● सोना 1,40,390 ₹ ● चांदी 2,35,000 ₹

पेज 06 पप्पू यादव का विवादों भरा...
पेज 08 पहली सोमवारी से पहले अलर्ट...
पेज 12

पारा आपडेट
मैक्सिमम 30.00 | मिनीमम 23.00
सूर्यास्त (आज) 18.31
सूर्योदय (कल) 05.19

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी संवत 2083
बोकारो से प्रकाशित
RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 34 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।
प्रबंधक

आवश्यकता
हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

पहली सोमवारी पर बाबा नगरी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, 'बोल बम' के जयघोष से गूंजा बैद्यनाथ धाम

पहली सोमवारी पर दो लाख से अधिक श्रद्धालु करेंगे जलार्पण

एजेंसी

देवघर। सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ने को तैयार है। रविवार से ही लाखों की संख्या में कांवरिया श्रद्धालु सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। सोमवार को जलार्पण करने की इच्छा के साथ श्रद्धालु तेज गति से कांवरिया पथ पर आगे बढ़ते रहे।

रविवार को हुई हल्की बारिश ने लंबी यात्रा से थके कांवरियों को राहत पहुंचाई और उनमें नई ऊर्जा का संचार किया। पिछले कुछ दिनों की तुलना में कांवरियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। जगह-जगह 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा बाबा नगरी भक्तिमय माहौल में डूब गया।

पहली सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन ने भी व्यापक तैयारियां कर ली हैं। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के नेतृत्व में रविवार सुबह कांवरिया पथ, रूट लाइन, अमानत घर, मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शनिवार को आयोजित ब्रीफिंग बैठक में अनुमान जताया गया था कि पहली सोमवारी पर दो लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है।

रविवार शाम तक हजारों कांवरिया देवघर की सीमा में प्रवेश कर मंदिर की ओर बढ़ने लगे थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया कि पहली सोमवारी पर बाबा नगरी में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ेगा। जिला प्रशासन और पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम जलार्पण कराने में जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि 3 अगस्त को राष्ट्रपति कटक में जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 4 अगस्त को वह भुवनेश्वर से बेरहामपुर तक ट्रेन की यात्रा करेंगी और तप्तापानी स्थित मां कंधुनी देवी मंदिर तथा शिव मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी।

ड्रोन से भेजी गई 10 किलो हेरोइन और 11 विदेशी हथियार बरामद, एक गिरफ्तार

बीकानेर। स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन 'शॉक वेव' के तहत नशे और हथियारों की बड़ी खेप बरामद करके अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। मामले में तस्कर वीरेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। बीकानेर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि आरोपित को करीब 10 किलोग्राम हेरोइन, विदेशी हथियारों के जखीरे और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित के कब्जे से दो तुर्किये निर्मित जिगाना पिस्टल, चार ग्लॉक पिस्टल, पांच स्टार मार्क .30 बोर पिस्टल, 22 मैगजीन तथा 100 जीवित कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 999 अफगान मार्का करीब 10 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है।

यात्रा अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे छह बंगलादेशी नागरिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली में छह बंगलादेशी नागरिकों को भारत में तय अवधि से अधिक समय तक रहने और वीजा के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह कार्रवाई मध्य जिला पुलिस द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन विस्टा 1.0' के तहत की गई। इस अभियान का उद्देश्य वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने वाले और वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करना है। पुलिस के अनुसार, नबी करीम इलाके में आराकशां रोड पर स्थित एक होटल में जांच के दौरान ये छहों बंगलादेशी नागरिक ठहरे हुए मिले।

प्रधानमंत्री ने किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ

करियर व परिवार को बर्बाद कर देता है नशा, दूर रहें युवा : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है लेकिन आपके करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। ऐसे में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशा और ड्रग्स के खतरों को समझकर जागरुक रहते हुए इससे दूर रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इस दौरान राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ड्रग सप्लाई कर कमाई कर देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है।

सामूहिकता की ताकत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास करते समय निराशा और थकान हो सकती है लेकिन जब कोई अभियान सामूहिक स्वरूप ले लेता है और करोड़ों लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सामूहिकता की ताकत उसे नई ऊर्जा देती है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 'यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है।'

प्रधानमंत्री ने परिवारों व शिक्षकों से की अपील

प्रधानमंत्री ने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो जाए तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण इसे छिपाया न जाए। बच्चों के साथ संवाद की संस्कृति विकसित करना जरूरी है, ताकि समय रहते उनके व्यवहार में आने वाले बदलावों को पहचाना जा सके। प्रधानमंत्री ने प्रोफेसरों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के साथ ड्रग्स के दुष्प्रभावों पर भी नियमित चर्चा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान युवाओं को नशे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार पूरी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पहले की तुलना में कई गुना अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं और हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। यह सरकार की कठोर नीति को दर्शाता है।

नशा मुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने में योगदान दें राज्य सरकारें

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकारें इस अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि देश का युवा नशे से मुक्त रहकर अपनी ऊर्जा को सुरक्षित रखने के साथ विकसित भारत के संकल्प को भी मजबूत करेगा। उन्होंने सभी सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाओं तथा गुरुजनों से अपील की कि जिनके संगठन देशभर में सक्रिय हैं और जिनसे बड़ी संख्या में युवा जुड़े हैं, वे आने वाले 100 सप्ताह में प्रत्येक संगठन कम से कम एक सप्ताह की जिम्मेदारी लेकर नशा मुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने में योगदान दे।

बिहार में नकली दवाओं के अंतर-राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

गया और मसौढ़ी से ट्रामाडोल टैबलेट, कोडीन सिरप की भारी खेप बरामद, सरगना गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली। 'ऑपरेशन वज्र' के तहत, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की मध्य प्रदेश इकाई ने बिहार के गया और मसौढ़ी (पटना) में नकली एवं अवैध दवाओं के आठ गोदामों और एक अवैध विनिर्माण इकाई को जब्त किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को बताया गया है कि गोदाम जैसी इन जगहों का इस्तेमाल मादक पदार्थों और अन्य दवाओं को अवैध रूप से बनाने और भंडारण करने के लिए किया जा रहा था। यह मामला 2025 में दर्ज अपराध की जांच से भी जुड़ा है और इसे इस जांच में एक और बड़ी कामयाबी बताया गया है। ताजा अभियान के दौरान गया में चार अवैध गोदामों का भंडाफोड़ किया गया, जिसमें 68,200 ट्रामाडोल टैबलेट, 59,000 अन्य टैबलेट और कोडीन सिरप की 52,542 बोतलें जब्त की गईं।

लगातार जांच और तकनीकी व मानवीय खुफिया जानकारी जुटाने के आधार पर, सीबीएन ने 22 जुलाई को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। इस गिरफ्तारी से महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिससे आगे बड़े पैमाने पर कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ।

जांच के दौरान 16 से 27 जुलाई के बीच, सीबीएन की मध्य प्रदेश इकाई (नीमच) के निवारक अनुभाग ने पूरे बिहार में कड़ी निगरानी और क्षेत्रीय अभियान चलाए। जांच के दौरान पता चला कि फरार आरोपी ने गया के खानजहांपुर इलाके में गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए नशीले पदार्थों और नकली दवाओं को जमा करने के लिए फिर से अवैध गोदाम चलाना शुरू कर दिया था। कई दिनों तक उसकी गतिविधियों पर गुप्त रूप से नजर रखने के बाद, सीबीएन की टीम ने उसे पकड़ा।

आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, सीबीए की टीम ने दो अपंजीकृत और बिना मंजूरी वाले गोदामों की तलाशी ली और गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए 21,373 ब्यूप्रेनोर्फिन इंजेक्शन एम्प्यूल बरामद किए। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में नकली और मिलावटी गैर-एनडीपीएस दवाएं भी जब्त की गईं, जिनमें क्लैवम-625, पैन-40, बेटाडीन ऑइंटमेंट, एजिथ्रल और कई अन्य दवाएं शामिल थीं।

बारामूला में आतंकी सहयोगी गिरफ़्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

बारामूला (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में रविवार को सुरक्षाबलों ने ओवर ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू अर्थात आतंकी सहयोगी) को दबोच लिया। उसके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि नरवाव के जंडफरान-गोरीवान क्रॉसिंग पर 46 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस एसओजी, 53 बटालियन सीआरपीएफ और 112 बटालियन बीएसएफ के जवानों ने संयुक्त नाका लगाया था। इस दौरान गोरीवान की तरफ से आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति ने नाका देखकर भागने की कोशिश की। सतर्क जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

तलाशी लेने पर सुरक्षाबलों को उसके पास से एक कैमोफ्लाज्ड एमपी-5 टाइप पिस्तौल, 10 ज़िंदा 9एमएम कारतूस वाली एक मैगजीन, एक मोबाइल फोन और एक काला बैकपैक मिला। गिरफ़्तार व्यक्ति की पहचान नंबलन शीरी के रहने वाले एजाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी के तौर पर हुई है।

पुलिस स्टेशन शीरी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 37/2026 दर्ज की गई है। उसके संपर्कों और गतिविधियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

पतरातू में वज्रपात का कहर, तीन महिलाओं की मौत

संवाददाता

पतरातू। पतरातू क्षेत्र के सांकुल गांव में मौसम ने ऐसा भयावह रूप दिखाया कि कुछ ही क्षणों में तीन परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। तेज बारिश, कड़कती गर्जना और आकाशीय बिजली ने अलग-अलग गांवों में खेतों में काम कर रही महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक, भय और अफरा-तफरी का माहौल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सांकुल गांव में रेखा देवी और रोशनी कुमारी खेत में कृषि कार्य में जुटी थीं। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे उनके ऊपर आ गिरी। ग्रामीण तत्काल दोनों को पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

इसी बीच पलानी गांव में खेत में कार्यरत सुशांति देवी, सुनीता देवी और कंचन कुमारी भी वज्रपात की चपेट में आ गईं। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने सुशांति देवी को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुनीता देवी और कंचन कुमारी का इलाज जारी है। दोनों की स्थिति पर चिकित्सकों की लगातार नजर बनी हुई है। इस दोहरी त्रासदी ने पूरे पतरातू क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांवों में शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

पालकी यात्रा > श्रावण की पहली सोमवारी को उज्जैन में धूमधाम से निकलेगी महाकाल की सवारी

चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे बाबा महाकाल

● नगर भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे अवंतिकानाथ

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में सोमवार, 03 अगस्त को पहली सवारी निकलेगी। इस दौरान अवंतिकानाथ नगर भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। सवारी में बाबा महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

श्रावण-भाद्रपद मास में उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर की छह सवारी निकाली जाती है। इनमें श्रावण के चार और भादौ महीने के दो सोमवार को भगवान महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं। इस बार भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी 3 अगस्त और अंतिम राजसी सवारी 7 सितंबर को निकाली जाएगी।

सवारी निकलने से पहले दोपहर 3:30 बजे सभा मंडप में भगवान चंद्रमौलेश्वर का पूजन होगा। इसके बाद शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से सवारी प्रस्थान करेगी और करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी दूरी तय कर शाम 5 बजे रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर शिप्रा से जलाभिषेक, पूजन, आरती के बाद बाबा वापस मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। सवारी शाम 7 बजे मंदिर पहुंचेगी।

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने रविवार को बताया कि इस साल भी सभी आरतियों में कार्तिक मंडप की पहली तीन पंक्तियों से श्रद्धालुओं को चलित आरती दर्शन कराए जाएंगे। सभी सवारियों में जनजातीय सांस्कृतिक दल प्रस्तुति देंगे। हर सवारी में पांच एलईडी रथ शामिल किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 15 जगहों पर मेडिकल टीमें और 24/7 एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी।

उन्होंने बताया कि श्रावण के पहले सोमवार, 03 अगस्त को भगवान महाकाल पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे और श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

इन रास्तों से गुजरेगी महाकाल की पालकी : महाकाल मंदिर के मुख्य द्वार से निकलकर पालकी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी। यहां क्षिप्रा नदी के पवित्र जल से भगवान महाकाल का अभिषेक और आरती की जाएगी। इसके बाद सवारी रामघाट, रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, ढाबा रोड, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी चौराहा होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

सशस्त्र पुलिस बल देगा गार्ड ऑफ ऑनर : श्रावण के पहले सोमवार भगवान महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में पालकी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। सवारी के दौरान सशस्त्र पुलिस बल बाबा महाकाल को गार्ड ऑफ ऑनर देगा। ढोल-नगाड़ों, झांझ-मंजीरों और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरी उज्जैन नगरी शिवमय हो जाएगी। जब सवारी गोपाल मंदिर पहुंचेगी, तब हरि-हर मिलन का अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा, जिसे अत्यंत शुभ माना जाता है।

पुएब्लो विएजो में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, 13 की मौत

एजेंसी

लीमा (पेरू)। देश के दक्षिण में नाजका प्रांत के पुएब्लो विएजो इलाके में एक छोटा पर्यटक विमान हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। यह विमान शनिवार को नाजका लाइंस आर्कियोलॉजिकल साइट के ऊपर उड़ते समय क्रैश हो गया।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पेरू के वित्त, पर्यटन, परिवहन और सूचना मंत्रालय ने अलग-अलग बयान में कहा कि विमान में 11 विदेशी नागरिक और दो क्रू मेंबर सवार थे। विदेशी पर्यटकों में इटली, जर्मनी और स्पेन नागरिक थे। परिवहन और सूचना मंत्रालय ने कहा कि इस विमान (सेसना कारवां सी-208) ने दोपहर 12:10 बजे पिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरी। दोपहर 1:00 बजे जब विमान सोकोस शहर के आसपास उड़ रहा था। तभी क्रू ने नास्का एयरपोर्ट के कंट्रोल टावर को आपात सूचना दी। इसके बाद रेडियो संपर्क टूट गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि विमान पुएब्लो विएजो इलाके में क्रैश हुआ। यह स्थान नाजका शहर से लगभग चार मील और नाजका लाइंस साइट से लगभग लाक मील दूर है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह छोटा विमान स्थानीय पेरूवियन एयरलाइन 'एरोडियाना' का है। एरोडियाना ने हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा जनता को गुमराह करने की राजनीति बंद करे : आलोक कुमार दूबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा प्रवक्ता के बयान को तथ्यहीन, भ्रामक और राजनीतिक हताशा का परिणाम बताते हुए कहा कि भाजपा जनता के स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर भी सस्ती राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा वर्ष 2017 से लेकर 2024 तक भाजपा शासन और उसके सहयोगी दलों की सरकार के दौरान भी संचालित होती रही। यदि व्यवस्था में कोई कमी थी तो भाजपा यह बताए कि अपने लंबे शासनकाल में उसने इसे विश्वस्तरीय क्यों नहीं बनाया? आज विपक्ष में बैठकर सवाल उठाना आसान है, लेकिन जनता उनके कार्यकाल का रिकॉर्ड भी देख रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य में नए अस्पतालों का विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि, स्वास्थ्य केंद्रों का सुदृढ़ीकरण और गरीबों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कदम उठाए गए हैं। कहा कि यदि किसी एजेंसी के कार्य में कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई भी करती है। यही जवाबदेह सरकार की पहचान है। भाजपा यह बताना बंद करे कि कार्रवाई क्यों हुई, बल्कि यह स्वीकार करे कि सरकार गड़बड़ियों पर पर्दा डालने के बजाय सुधारात्मक कदम उठा रही है। कांग्रेस पार्टी और गठबंधन सरकार पारदर्शिता में विश्वास रखती है। यदि कहीं कोई अनियमितता होगी तो उसकी निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई भी होगी। लेकिन बिना किसी साक्ष्य के व्यक्तिगत आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने की भाजपा की राजनीति सफल नहीं होने वाली।

जेपीएससी-जेएसएससी नियुक्तियों की सीबीआई जांच हो: संजय सेठ

रांची/नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के माध्यम से हुई नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर लगातार सामने आ रहे मामलों से राज्य के युवाओं का भरोसा टूट रहा है और पूरे झारखंड की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। संजय सेठ ने कहा कि पिछले कई दिनों से जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्तियों से जुड़े नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जेएसएससी नियुक्तियों में अनियमितताओं की जांच के दौरान निष्पक्ष कार्रवाई करने वाले अधिकारियों का तबादला कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार पारदर्शी जांच चाहती है तो जांच अधिकारियों का तबादला क्यों किया गया। उन्होंने महिला पर्यवेक्षक नियुक्ति प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि समाचार माध्यमों में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार तीन दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता और उपाधि को लेकर सवाल उठे हैं। वहीं 300 में 299 अंक प्राप्त करने वाली अभ्यर्थी के चयनित नहीं होने पर भी उन्होंने चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों युवाओं का भविष्य निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया पर निर्भर करता है। ऐसे में भ्रष्टाचार अथवा अनियमितता के आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

रांची नगर निगम के फैसले के खिलाफ ट्रांसपोर्टरों की बैठक, हड़ताल की दी चेतावनी

रांची। रांची नगर निगम की ओर से जालान रोड में माल की लदाई और उतराई का कार्य बंद करने संबंधी नोटिस के विरोध में रविवार को रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रांसपोर्टरों, मजदूर संगठनों और विभिन्न व्यावसायिक संगठनों से जुड़े लोगों ने नगर निगम के निर्णय को व्यवसाय विरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर सिंह उर्फ राजू ने की। कार्यक्रम का आयोजन रांची लोकल ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की ओर से किया गया। कार्यक्रम का संचालन बिंदुल वर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन दीपक सिंह ने किया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि रांची नगर निगम ने ट्रांसपोर्टरों को नोटिस देकर तीन दिन के बाद जालान रोड में माल की लदाई और उतराई का कार्य नहीं करने देने की बात कही है। वक्ताओं के अनुसार, अपर बाजार स्थित जालान रोड में खुदरा माल का परिवहन करने वाली कई ट्रांसपोर्ट कंपनियों के कार्यालय और गोदाम हैं। यहां से दैनिक उपयोग की वस्तुएं झारखंड के विभिन्न हिस्सों में भेजी जाती हैं। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि यदि जालान रोड में लदाई और उतराई का कार्य बंद किया गया तो राज्य में दैनिक उपयोग की वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

इससे रांची शहर की व्यावसायिक गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई।

रातू ललित ग्राम से किशोरी लापता

रांची। रातू थाना के ललित ग्राम की 15 वर्षीय लड़की रविवार की सुबह से लापता हो गयी। वह मूल रूप से पिस्का हेसल की रहने वाली है। लेकिन चार सालों से ललित ग्राम में अपने रिश्तेदार बरखा रानी कच्छप के घर रहकर पढ़ाई करती थी। सुबह जब घरवाले सो कर उठे तो लड़की को गायब पाया। घर के बगल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर किशोरी 6.50 मिनट पर पिंक रंग के टी शर्ट व ब्लैक पैंट पहन कर जाते हुई दिखी। परिजन उसे काफी तलाश किये पर कुछ पता नहीं चल पा रहा है। किन्ही को अगर इसके बारे में कुछ जानकारी मिले तो रातु थाने को सूचित करें।

कल से कलश वंदन यात्रा का होगा शुभारंभ

रांची। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत झारखंड में 4 अगस्त से कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। इस मौके पर डिबडीह स्थित कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद विधिवत इस कलश यात्रा को राज्य के सभी 30 सांगठनिक जिलों के लिए 30 सुसज्जित रथ को रवाना किया जाएगा। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने दी। उन्होंने बताया कि जिलों में पहुंचने के बाद यह कलश वंदन यात्रा संबंधित जिले के मंडलों, पंचायतों होते हुए सभी गांवों के मंदिरों तक समरसता का संदेश लेकर जाएगी। बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन बीते 29 जुलाई को संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी (काशी) की पवित्र मिट्टी युक्त कलश लेकर इस भव्य कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ किया गया है। जो झारखंड सहित विभिन्न राज्यों का भ्रमण कर रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गुरु रविदास जी की 650 वीं जयंती को भव्य तरीके से मनाना है। इस अभियान के तहत भाजपा संत रविदास जी के समता, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन के बीच पहुंचाने का काम करेगी। इस अभियान के माध्यम से हम समरसता और मानवता का संदेश लेकर झारखंड के गांव-गांव तक जाने वाले हैं। इस अभियान का समापन उनकी जन्म जयंती की तिथि 20 फरवरी 2027 को होगी।

आज सभी शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे शिवभक्त

वरीय संवाददाता

रांची। श्रावण मास की पहली सोमवारी को लेकर राजधानी रांची पूरी तरह शिवमय गई है। देर शाम से ही राजधानी की सड़कों पर कांवरियां हर-हर बम-बम करते हुए नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी के तट की अेर बढ़ते रहे। जहां कांवरियां स्नान ध्यान कर पहाड़ी बाबा दूर है जाना जरूर है, बोलबम क जयकारों के साथ रात 1 बजे से ही पहाड़ी मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था।

सोमवार तड़के सुबह 3:30 बजे मंगला आरती के पहाड़ी मंदिर के मुख्य मंदिर सहित अन्य सभी मंदिरों के पट्ट कांवरियों और आम भक्तो के लिए खुलेंगे. इसके बाद सुबह 4:00 बजे से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन और जलाभिषेक शुरू हो जाएगा. भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के जल चढ़ाने की सुविधा देने के लिए इस बार मुख्य मंदिर के साथ-साथ विश्वनाथ मंदिर और महाकाल मंदिर में भी अरघा सिस्टम लगाया गया है।

आज शाम होगा बाबा का विशेष श्रृंगार दर्शन

श्रद्धालु इसी व्यवस्था के माध्यम से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। शाम 7 बजे अरघा हटाए जाने के बाद रात 9:00 बजे तक बाबा का विशेष श्रृंगार दर्शन कराया जाएगा। रांची पुलिस ने पूरे शहर में 500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की है जबकि केवल पहाड़ी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में 125 पुलिस अधिकारी और जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे. मंदिर परिसर, प्रवेश और निकास मार्गों के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट से जल लेकर आने वाले कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया है। कांवर पथ और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए पहाड़ी मंदिर के आसपास कई मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर अस्थाई रोक रहेगी और ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था लागू रहेगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीसी ने खुद लिया व्यवस्थाओं का जायजा

रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने खुद पहाड़ी मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पहली सोमवारी के दौरान दर्शन और जलाभिषेक को लेकर किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

जलाभिषेक के लिए विशेष इंतजाम

रांची के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी तैयारियां अंतिम चरण में पूरी कर ली गई हैं। चुटिया स्थित सुरेश्वर धाम और 21 महादेव धाम में श्रद्धालुओं के जलाभिषेक के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्वर्णरेखा नदी घाट की व्यापक साफ-सफाई कर उसे जल उठाव के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया गया है। घाटों पर प्रकाश, बैरिकेडिंग, पेयजल और सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

सावन के पहले रविवार को बोल बम, पहाड़ी बाबा के जयकरों से गूंजा पहाड़ी मंदिर

वरीय संवाददाता

रांची। सावन मास के पहले रविवार को राजधानी के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में सुबह 3.30 बजे सरकारी पूजा-अर्चना के बाद आम भक्तों के लिए मुख्स मंदिर सहित अन्य सभी मंदिरों के पट्ट आम भक्तें के लिए खोले गए।

पट्ट खुलते ही पूरा मंदिर परिसर हर-हर बम-बम पहाड़ी बाबा के जयकारों से पूरी तरह शिवमय हो गया था। जहां भक्तों ने पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक कर अपने और अपने परिवार की सुख, समृद्धि की कामना की। दोपहर में मंदिर की साफ-सफाई कर आरती की गई। इसके बाद शाम 7 बजे तक भक्तों ने बाबा का जलाभिषेक किया। इसके बाद मंदिर की साफ-सफाई की पहाड़ी मंदिर विकास समिति द्वारा पहाड़ी बाबा का पंचामृत स्नान के बाद रंग-बिरंगे मौसमी पुष्पों से श्रृंगार कर आरती, प्रसाद वितरण के बाद रात्रि नौ बजे मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिरों के पट्ट बंद कर दिए गए।

नन्हे बच्चों की मासूमियत ने मोहा मन, सेंटेविटा हॉस्पिटल में हेल्दी बेबी शो

वरीय संवाददाता

रांची। सेंटेविटा हॉस्पिटल की ओर से बच्चों के स्वस्थ विकास, प्रतिभा और मासूमियत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित हेल्दी बेबी शो 2026 का आयोजन रविवार को हॉस्पिटल परिसर में उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में 6 से 12 माह और 13 से 18 माह आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा और मासूमियत से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कई श्रेणियों में हुई प्रतियोगिताएं हेल्दी बेबी शो 2026 के तहत हेल्दी बेबी, चबी चीक्स, क्रॉल रेस और बेस्ट कॉस्ट्यूम सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों ने अलग-अलग गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जिससे आयोजन यादगार बन गया। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश कुमार रॉय, डॉ. अनिताभ कुमार और डॉ. सिद्धार्थ जैन पाटोदी शामिल रहे।

धुर्वा डैम से बरामद शव की पहचान हटिया संडे मार्केट के योगेश्वर प्रसाद के रूप में हुई

एक अगस्त को शाम चार बजे से घर से हो गये थे लापता

वरीय संवाददाता

रांची। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगड़ी थाने की पुलिस रविवार की सुबह हटिया डैम से एक बुजूर्ग व्यक्ति का शव बरामद किया है,बाद में उसकी पहचान हटिया संडे मार्केट में रहने वाले 85 वर्षीय योगेश्वर प्रसाद के रुप में हुई। उसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

मामले में मृतक के भतीजे रामप्रवेश ने बताया कि मेरे बड़े पापा योगेश्वर प्रसाद एचईसी के पर्व कर्मी थे वह काफी वर्षों पहले ही रिटायर कर चुके थे , तब से वह अपने बेटे बहु व परिवारवार के साथ घर पर ही रहते थे, उसने बताया कि वह रोज सुबह शाम टहलने के लिए घर से निकलते थे और अंधेरा होने से पहले ही लौट जाया करते थे, शनिवार को भी पहले की तरह शाम चार बजे घर से टहलने की बात बोल निकले थे लेकिन देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तब घर के लोगों की परेशानी बढ़ने लगी, सभी लोग इधर उधर पूछताछ किया लेकिन किसी ने भी उन्हें कहीं जाते देखने की बात नहीं बतायी,उसके बाद इसकी सूचना धुर्वा थाने की पुलिस के साथ अखबारों को दी गयी।

रविवार की सुबह डैम किसी की लाश बरामद की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और मृतक की पहचान योगेश्वर प्रसाद के रुप में की।

इधर नगड़ी क्षेत्र के इंस्पेक्टर आसित मोदी ने बताया कि मृतक परिजनों को अक्सर कहा करते थे कि हम नहीं रहेंगे को तो क्या होगा, इससे यह अनुमान होता है कि वह किसी बात को लेकर उन्हें तकलीफ थी और वह सुसाईड करना चाहते थे। हालांकि परिजनों ने पुलिस को ऐसी किसी बात की जानकारी नहीं दी है,अब पोस्टमार्टम रिर्पोट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

भाजपा को हेमंत सरकार पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं : विनोद कुमार पांडेय

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और किसी भी भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभ्यर्थी को न्याय दिलाने के लिए सरकार आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़े मामले में गड़बड़ी की शिकायत मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच एजेंसी को आयोग कार्यालय भेजा गया तथा अध्यक्ष सहित संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। अब तक कई लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, मूलवासियों और अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर सुनिश्चित करना है। भाजपा पर निशाना साधते हुए पांडेय ने कहा कि पार्टी को हेमंत सरकार पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में भी जेपीएससी की परीक्षाएं विवादों, अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहीं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में मूल्यांकन, चयन प्रक्रिया, कथित भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता को लेकर कई बार सवाल उठे तथा अभ्यर्थियों को लंबे समय तक न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि रघुवर दास सरकार के कार्यकाल में भी नियमित परीक्षा कैलेंडर लागू नहीं हो सका और नियुक्तियों में देरी, परिणाम तथा अन्य प्रक्रियाओं को लेकर अभ्यर्थियों में असंतोष बना रहा।

विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि वर्तमान सरकार का संकल्प है कि सभी भर्ती प्रक्रियाएं निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित हों। यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं का विश्वास बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एनजीटी की रोक के बावजूद किसके संरक्षण में चल रहा बालू का अवैध कारोबार : बाबूलाल मरांडी

तस्करी के ट्रकों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

वरीय संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में बालू के अवैध कारोबार पर झारखंड सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने पूछा है कि एनजीटी की रोक के बावजूद यह अवैध कारोबार किसके संरक्षण में यहां चल रहा है? श्री मरांडी ने सोशल मीडिया के एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि एनजीटी द्वारा मॉनसून के दौरान नदियों से बालू उठाव पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद रांची सहित झारखंड के कई जिलों में बिना नंबर प्लेट और बिना वैध चालान के बालू लदे ट्रक बेखौफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं। यह केवल पर्यावरणीय नियमों का ही उल्लंघन नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और राजस्व प्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा है कि पर्यावरण विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि अवैध और अनियंत्रित बालू खनन नदियों की प्राकृतिक धारा को प्रभावित करता है, भूजल स्तर गिराता है, नदी तटों का कटाव बढ़ाता है और पर्यावरणीय संतुलन को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा है कि जब आम नागरिकों की बाइक और कार का कैमरों के जरिए चालान काटा जा सकता है, तो बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे बालू तस्करों के ट्रकों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या कानून सिर्फ आम जनता के लिए है?

उन्होंने मुख्यमंत्री से इस गंभीर मामले पर तत्काल संज्ञान लेकर अवैध बालू खनन और परिवहन पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे झारखंड की नदियों और पर्यावरण की रक्षा तो होगी ही तथा राज्य के राजस्व को हो रही भारी क्षति पर भी रोक लगेगी।

मारवाड़ी समाज पूर्व से ऐसे आयोजन करता रहा है : सी पी सिंह

रांची। मारवाड़ी सहायक समिति, रांची के सानिध्य में आयोजित चार दिवसीय परंपरा कला एवं विरासत मेले का आयोजन 30 जुलाई से 2 अगस्त तक हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में किया गया था। मेले के चतुर्थ दिवस सायं 5 बजे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सी पी सिंह, सांसद महुआ मांझी ,महापौर रोशनी खलको शामिल हुई।सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर उनका अभिनंदन और स्वागत किया गया। चतुर्थ दिवस के मुख्य अतिथि मेले परिसर का भ्रमण कर महिलाओं के द्वारा बनाए गए घरेलू उत्पाद एवं कई अन्य सामग्रियों का अवलोकन किया। महुआ माजी एवं रोशनी खालको ने कहा यहाँ महिला लघु उद्योग के माध्यम से सुंदर मेले का प्रायोजन किया गया है इससे कई लोगो को रोजगार भी मुहैया होगा। जैसा कि ज्ञात है मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आईं महिला उद्यमियों ने 90 से अधिक स्टॉल लगाए हैं।

शिव शिष्य परिवार की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

▶▶ 550 शिवशिष्यों ने लिया भाग

वरीय संवाददाता

रांची। शिव शिष्य परिवार के तत्वावधान में शिव शिष्यता की पृष्ठभूमि, व्याप्ति एवं प्रयोजन विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार को अग्रसेन भवन, रांची में शांतिपूर्ण वातावरण में समापन हो गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 550 शिवशिष्य एवं शिष्याओं ने भाग लिया।

समापन सत्र में साहब श्री हरिन्द्रानंद जी का संदेश आओ चलें शिव की ओर प्रमुख रूप से प्रतिध्वनित हुआ। इस अवसर पर श्रीमती बरखा आनंद ने कहा कि लगभग आठ वर्ष पूर्व साहब ने एक सभा में अचानक आओ चलें शिव की ओर का संदेश दिया था। उनके अनुसार यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि सृष्टि के शून्याकाश से आती हुई मानवता के कल्याण की पुकार थी। उन्होंने कहा कि देश, समाज और परिवार की मयार्दाओं को सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को भगवान शिव की ओर निरंतर अग्रसर रहना चाहिए।

'गुरु, सद्गुरु एवं जगद्गुरु' विषय पर अपने विचार रखते हुए अर्चित आनंद ने कहा कि गुरु वह है जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करने का दायित्व निभाता है। उन्होंने बताया कि गुरु साधना, जप एवं अन्य आध्यात्मिक विधियों के माध्यम से शिष्य में शिवभाव जागृत करते हैं, जबकि सद्गुरु अपनी कृपा मात्र से शिष्य के हृदय में परमात्मा के प्रति प्रेम का अंकुरण कर देते हैं। शिव शिष्य परिवार के सचिव अभिनव आनंद ने कहा कि भौतिक प्रकाश लोगों को मार्ग दिखाता है, जबकि आध्यात्मिक प्रकाश मनुष्य को भगवान शिव तक पहुंचाने का माध्यम बनता है। कार्यक्रम के अंत में गौतम कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से आए शिवशिष्यों ने भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजेश, गौतम, शिवकुमार विश्वकर्मा, रजनीश, रणधीर, आदित्य सहित अनेक कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में 'पेन मैनेजमेंट क्लिनिक' की शुरुआत

वरीय संवाददाता

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची ने पुराने और लंबे समय से दर्द से जूझ रहे मरीजों के लिए अत्याधुनिक पेन मैनेजमेंट क्लिनिक की शुरूआत की है। इस क्लिनिक में नसों के दर्द, जोड़ों के दर्द, फ्रैक्चर के बाद होने वाले दर्द, बार-बार होने वाले सिरदर्द और रीढ़ से जुड़े दर्द का आधुनिक तकनीकों के माध्यम से इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।क्लिनिक में डॉ. कुमार दुश्यंत, कंसल्टेंट (एनेस्थीसिया एवं पेन मैनेजमेंट), अपनी सेवाएं देंगे। ओपीडी का समय प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है।यहां मरीजों के लिए नर्व ब्लॉक एवं ट्रिगर प्वाइंट इंजेक्शन, पीआरपी एवं अल्ट्रासाउंड गाइडेड जॉइंट इंजेक्शन, स्पाइन पेन इंटरवेंशन तथा कैंसर पेन मैनेजमेंट एवं पेलिएटिव केयर जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन आधुनिक तकनीकों का उद्देश्य लंबे समय से दर्द से परेशान मरीजों को प्रभावी राहत प्रदान करना और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना है। अधिक जानकारी एवं अपॉइंटमेंट के लिए 8080808069 पर संपर्क किया जा सकता है।

हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नीतेश कुमार ने कहा कि दर्द को लंबे समय तक नजरअंदाज करना कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। लगातार रहने वाला दर्द व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों, कार्यक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए दर्द को सामान्य समस्या मानकर टालने के बजाय समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेना, आवश्यक जांच कराना और उचित उपचार शुरू करना बेहद जरूरी है। पारस हेल्थ का पेन मैनेजमेंट क्लिनिक मरीजों को आधुनिक, सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है, ताकि वे दर्दमुक्त और बेहतर जीवन जी सकें।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्विद्यालयीय श्लोकपाठ प्रतियोगिता में 275 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बोकारो। संस्कृत भारती, बोकारो के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-3/सी परिसर में स्वर्गीय रामप्रताप दुबे अंतर्विद्यालयीय श्लोकपाठ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग में किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों से 275 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी उत्कृष्ट श्लोक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी भागीरथ शर्मा ने की। इस अवसर पर अवकाशप्राप्त प्राचार्य कमलेश कुमार मिश्रा, संस्कृत भारती के मंत्री डॉ. उदय चंद्र झा, अध्यक्ष डॉ. रामनारायण सिंह तथा प्रतियोगिता के प्रायोजक संतोष कुमार दुबे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में भागीरथ शर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत की आधारशिला है। वहीं, संतोष कुमार दुबे ने स्वर्गीय रामप्रताप दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प दोहराया तथा अभिभावकों से बच्चों को संस्कृत शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। डॉ. उदय चंद्र झा ने संस्कृत को समाज के नैतिक और वैचारिक उत्थान का माध्यम बताया, जबकि कमलेश कुमार मिश्रा ने इसकी वैज्ञानिकता और नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रीहरि पाण्डेय ने स्वर्गीय रामप्रताप दुबे के जीवन एवं संस्कृत सेवा पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन डॉ. रणजीत झा ने किया तथा अंत में डॉ. रामनारायण सिंह ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, शिक्षकों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन की सफलता में संस्कृत भारती के अनेक शिक्षकों एवं कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

औद्योगिक नीति-2026 के लिए एमएसएमई एसोसिएशन ने सरकार को सौंपे सुझाव

बोकारो। झारखंड सरकार की प्रस्तावित औद्योगिक नीति-2026 को अधिक प्रभावी और उद्योगोन्मुख बनाने के उद्देश्य से एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने उद्यमियों एवं आम नागरिकों के सुझावों के आधार पर राज्य सरकार को विस्तृत अनुशंसाएं सौंप दी हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष शशिभूषण विश्वकर्मा ने कहा कि राज्य में उद्योगों के समग्र विकास के लिए नई औद्योगिक नीति कम-से-कम दस वर्षों के लिए लागू की जानी चाहिए, ताकि निवेशकों और उद्यमियों को स्थिर वातावरण मिल सके। एसोसिएशन ने स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के तहत राज्य सरकार, केंद्र सरकार तथा बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा अपनी कुल खरीद का कम-से-कम 25 प्रतिशत स्थानीय इकाइयों से करने का प्रावधान करने की मांग की है। इसके अलावा सभी जिलों में स्पष्ट रूप से लैंड बैंक विकसित करने, निजी क्षेत्र में विशेष आर्थिक क्षेत्र और औद्योगिक पार्क स्थापित करने का भी सुझाव दिया गया है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लागत के बजाय उत्पादकता अथवा वार्षिक कारोबार के आधार पर सब्सिडी देने तथा नए उद्योगों को पांच वर्षों तक पूर्ण जीएसटी छूट प्रदान करने की सिफारिश की गई है। एसोसिएशन ने बोकारो को विकसित क्षेत्र की श्रेणी से बाहर रखकर विशेष औद्योगिक सुविधाएं उपलब्ध कराने, सिंगल विंडो प्रणाली में निर्धारित समय-सीमा लागू करने तथा औद्योगिक विवादों के त्वरित निपटारे के लिए स्थायी समिति गठित करने की मांग भी उठाई है। ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में चांडिल, तिलैया अथवा पतरातू बांध क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने, हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देने, आधुनिक प्रदूषण-रहित कोयला आधारित उद्योगों से प्रतिबंध हटाने तथा वन आधारित आधुनिक उद्योग नीति लागू करने का सुझाव दिया गया है।

दो वर्षों से वेतन नहीं मिलने पर बिजलीकर्मी ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

बोकारो। गोमिया प्रखंड के साड़म भाटटोला निवासी तथा पिछले 25 वर्षों से बिजली विभाग में कार्यरत कर्मी सोनाराम यादव ने बकाया मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर रविवार से कंजकिरो स्थित विद्युत सबस्टेशन के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने इस संबंध में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में सोनाराम यादव ने बताया कि वे वर्ष 2017 से कंजकिरो विद्युत सबस्टेशन में कार्यरत हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों से उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। लगातार वेतन नहीं मिलने के कारण उनका परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी कठिन हो गया है और परिवार के समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि बकाया भुगतान के लिए अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता तथा संबंधित एजेंसी रॉयल एंटरप्राइजेज को कई बार लिखित आवेदन दिए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। अधिकारियों और एजेंसी की उदासीनता से परेशान होकर उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया है। सोनाराम यादव ने स्पष्ट किया कि जब तक उनका बकाया मानदेय नहीं दिया जाएगा, तब तक उनका धरना और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

साप्ताहिक बाजार में नाबालिग जेबकतरा पकड़ाया, चोरी के गिरोह की तलाश में पुलिस

बोकारो। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के साप्ताहिक सब्जी बाजार में रविवार को भीड़ का फायदा उठाकर जेबकतरों ने चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। खरीदारी करने पहुंचे सिक्स यूनिट निवासी लखन पुरी का मोबाइल फोन चोरी हो गया। इसी दौरान एक महिला का पर्स चुराते हुए एक नाबालिग को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाजार में अत्यधिक भीड़ होने के कारण जेबकतरों को चोरी करने का अवसर मिल गया। महिला का पर्स चोरी करते समय लोगों की नजर नाबालिग पर पड़ गई। लोगों ने तत्काल उसे पकड़ लिया और पूछताछ की। उसने अपना नाम प्रेम बताया तथा अपने पिता का नाम बिस्मिल नोनिया और माता का नाम मधु बताया। उसने स्वयं को पश्चिम बंगाल के आसनसोल का निवासी बताया। घटना की सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग को हिरासत में लेकर थाने ले गई। उसके पास से मिले संपर्क नंबर के आधार पर पुलिस ने उसकी मां को सूचना देकर बोकारो थर्मल बुलाया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ताकि उसके साथ जुड़े अन्य जेबकतरों की पहचान की जा सके और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हो सके।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में लाइव जुड़े चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थी

'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' अभियान के तहत प्रधानमंत्री ने किया युवाओं को संबोधित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय, बोकारो के सेमिनार हॉल में रविवार को विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने माननीय नरेंद्र मोदी के साथ लाइव जुड़कर उनके प्रेरणादायी संबोधन को सुना। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। इस आयोजन में विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर. एन. मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप-प्राचार्य नरमेंद्र कुमार तथा उप-प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एनआईसी, बोकारो के प्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विद्यालय के 375 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक शांति पाठ एवं गीता पंचामृत के सामूहिक सस्वर पाठ से हुआ, जिसने पूरे सभागार को आध्यात्मिक एवं सकारात्मक वातावरण से आलोकित कर दिया। इसके पश्चात कक्षा 12 की छात्रा राशि के प्रभावी संचालन में विद्यार्थियों ने प्रेरक भाषण, ओजस्वी स्लैम पोएट्री तथा मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों पर आधारित एक विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं गंभीरता के साथ इन प्रस्तुतियों का अवलोकन किया और उनके संदेश को आत्मसात किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में इसके प्रति निरंतर जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण की सबसे मजबूत नींव आज के युवा हैं। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि एक मां के सपनों और पूरे परिवार की आशाओं को भी चकनाचूर कर देता है। उन्होंने युवाओं से ड्रग्स एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक युवा को इनके दुष्प्रभावों के प्रति सजग और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने इस अभियान को राष्ट्रीय जन आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह अभियान देशभर के आध्यात्मिक संगठनों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक संगठनों एवं औद्योगिक संघों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस अभियान का पायलट प्रोजेक्ट पिछले वर्ष काशी से प्रारंभ हुआ था और आज यह एक व्यापक राष्ट्रीय जन-जागरूकता अभियान का रूप ले चुका है। इस अभियान में चिन्मय मिशन सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों की सक्रिय सहभागिता रही। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत चिन्मय विद्यालय, बोकारो में पूर्व से ही नशा मुक्ति विषयक अनेक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही थीं, जिनमें प्रभात फेरी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण समारोह तथा अन्य प्रेरणादायी कार्यक्रम शामिल हैं। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संयोजन सुब्रता गुप्ता एवं विद्यालय स्टूडेंट काउंसिल द्वारा किया गया।

रौनियार वैश्य समाज के नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। नया मोड़ स्थित बिरसा आश्रम में रविवार को रौनियार वैश्य समाज, बोकारो जिला के नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण प्रसाद गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद साहू तथा प्रदेश महासचिव बैजनाथ प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में समाज के मुख्य संरक्षक बी.पी. गुप्ता, सतीश साह, किशोरी मोहन, जे.पी. लाल, ललित मोहन, यमुना प्रसाद तथा पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण प्रसाद गुप्ता ने कहा कि रौनियार वैश्य समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकजुटता और मजबूत संगठन है। उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षा, सामाजिक सेवा, आपसी सहयोग तथा युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों से संगठन को गांव-गांव तक सशक्त बनाने और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। जिला अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता ने कहा कि समाज ने जिस विश्वास के साथ नई टीम को जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, युवाओं की भागीदारी और समाज के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर रौनियार वैश्य समाज, बोकारो जिला के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। इनमें जिला अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता, उपाध्यक्ष रविन्द साह, महासचिव राजू मोहन, सचिव प्रेम कुमार गुप्ता एवं विजय कुमार गुप्ता, उप सचिव नगीना प्रसाद और संजय गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र गुप्ता शामिल हैं।

समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने नवगठित जिला टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का आह्वान किया।

नि:शुल्क शूटिंग प्रशिक्षण शिविर का समापन, प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो राइफल क्लब एवं यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में आयोजित निःशुल्क शूटिंग प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोहपूर्वक हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिन्मया विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बोकारो जैसे शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की राइफल शूटिंग का प्रशिक्षण उपलब्ध होना गर्व की बात है। उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने तथा देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही उन्होंने सीबीएसई के खेल कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। विशिष्ट अतिथि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (2ए) के प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि ठहरा हुआ पानी सड़ने लगता है, जबकि बहती नदी सदैव निर्मल रहती है। उसी प्रकार निरंतर अभ्यास, सतत प्रयास और दृढ़ संकल्प से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए बोकारो राइफल क्लब के सचिव अनिल कुमार ने शहर की खेल उपलब्धियों और शूटिंग खेल के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने स्थानीय युवाओं एवं खेल प्रेमियों से शूटिंग रेंज का अधिकाधिक लाभ उठाने और इस खेल से जुड़ने का आह्वान किया। समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों के साथ बोकारो राइफल क्लब के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन की निदेशक विभा कुमारी तथा राष्ट्रीय खिलाड़ी संजीव सिंह ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर प्रशिक्षक पिंटू यादव, अरविंद कुमार, रणविजय ओझा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना और खेल भावना को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों ने दो सूत्री मांगों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन का किया ऐलान

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ की राज्य कार्यसमिति की महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक रविवार को प्रदेश महामंत्री सपन कुमार कर्मकार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में देवघर, गोड्डा, रांची, जमशेदपुर, चाईबासा, बोकारो, लातेहार और गढ़वा सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सरकार के विरुद्ध चरणबद्ध राज्यस्तरीय आंदोलन शुरू करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में संघ ने दो प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग के तहत राज्य गठन के 26 वर्षों से लंबित वर्ग-4 से वर्ग-3 में पदोन्नति की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सीमित प्रतियोगिता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर वरीयता एवं योग्यता के आधार पर एकमुश्त पदोन्नति देने की मांग की गई। दूसरी मांग में आदेशपाल, परिचर (प्यून), चपरासी एवं अनुसेवक जैसे पदनामों के स्थान पर सभी के लिए कार्यालय सहायक पदनाम लागू करने का आग्रह किया गया। मांगों के समर्थन में संघ ने चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा भी तय की।

फैमिली काउंसलिंग सेंटर की बैठक में पारिवारिक विवादों के समाधान पर हुई चर्चा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। पारिवारिक विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर टूटते रिश्तों को बचाने के उद्देश्य से फैमिली काउंसलिंग सेंटर, बोकारो की साप्ताहिक बैठक रविवार को गोमिया के हजारी मोड़ स्थित शाखा कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से वरुण प्रजापति को सभापति चुना गया, जिनकी अध्यक्षता में विभिन्न मामलों की सुनवाई एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान विभिन्न राज्यों से जुड़े चार नए पारिवारिक विवादों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। इनमें राजस्थान, बिहारशरीफ तथा आगरा (उत्तर प्रदेश) से संबंधित मामले शामिल थे। मोनी परवीन, शब्बू परवीन तथा सोनी खातून (पत्नी शब्बीर खान) सहित अन्य पक्षों की समस्याओं को विस्तार से सुना गया। काउंसलिंग सेंटर के सदस्यों ने दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान निकालने का प्रयास किया। बैठक में पूर्व से लंबित मामलों की भी क्रमवार समीक्षा की गई। सदस्यों ने कहा कि पारिवारिक मतभेदों का समाधान न्यायालय के बजाय आपसी संवाद और सामाजिक समझ के माध्यम से किया जाए तो परिवारों को टूटने से बचाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से सेंटर नियमित रूप से काउंसलिंग बैठकों का आयोजन करता है।

जुलाई में बोकारो पुलिस का विशेष अभियान, 5,837 वाहन चालकों पर कार्रवाई

बोकारो। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बोकारो पुलिस ने 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) अजय प्रसाद के नेतृत्व तथा यातायात थाना प्रभारी की देखरेख में चले इस अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 5,837 वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 79,87,250 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।।अभियान के दौरान ब्रेथ एनालाइजर की सहायता से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई। सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर हुई। इस दौरान 2,421 चालकों तथा 2,026 पीछे बैठे सहयात्रियों को बिना हेलमेट पाया गया। इसके अलावा दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाकर चलने वाले 871 चालकों पर भी जुमार्ना लगाया गया।।यातायात पुलिस ने बिना प्रदूषण प्रमाण-पत्र के 1,004 वाहनों तथा बिना वैध बीमा के 531 वाहनों के चालान काटे। वहीं, गलत पार्किंग के 448 मामले दर्ज किए गए। बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने वाले 52 चालकों, सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 32 चारपहिया वाहन चालकों, शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 19 चालकों, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले 16 चालकों तथा काला शीशा लगे 8 वाहनों के विरुद्ध भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित वाहन चलाने की आदत अपनाएं।

6 साल, अनगिनत आंसू और सिस्टम का सन्नाटाः कहां गुम हो गई 14 साल की सेजल?

संजय भारद्वाज

बोकारो। किताबें मिलीं, चप्पलें मिलीं... पर नहीं मिली सेजल! मां की आंखें पथरा गईं, लेकिन छह वर्षों में न पुलिस सुराग ढूंढ पाई और न ही सिस्टम को दया आई। अब सीबीआई और सीआईडी से बंधी हैं उम्मीदें, मगर सवाल वही- क्या देश की बेटियां ऐसे ही गायब होती रहेंगी?

16 अक्टूबर 2020 की वह काली सुबह आज भी पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के ओझाडीह गांव के सीने में एक गहरे जख्म की तरह दर्ज है। 14 साल की मासूम छात्रा सेजल झा उर्फ पाखी रोज की तरह अपनी साइकिल पर सवार होकर, सपनों से भरी किताबें समेटे ट्यूशन के लिए निकली थी। लेकिन किसे पता था कि वह राह उसकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगी। रास्ते में उसकी किताबें बिखरी मिलीं, उसकी चप्पलें लावारिस पड़ी मिलीं, लेकिन सेजल कहां गई? क्या उसे आसमान निगल गया या जमीन खा गई? 6 लंबे साल बीत जाने के बाद भी राज्य की पुलिस के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है। सेजल की मां उषा झा, जो पेशे से एक शिक्षिका हैं, पिछले छह सालों से अपनी मासूम बेटी की तस्वीर सीने से लगाए दर-दर भटक रही हैं। उनकी आंखों के आंसू सूख चुके हैं, लेकिन कलेजे की कसक हर पल बढ़ती जा रही है। एक लाचार मां ने बेटी को खोजने के लिए बोकारो उपायुक्त, स्थानीय अदालत, प्रदेश के पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री और यहां तक कि देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री तक का दरवाजा खटखटाया। लेकिन हर चौखट पर उन्हें इंसाफ की जगह सिर्फ खोखला आश्वासन मिला। पुलिसिया जांच की विफलता का आलम यह है कि थानों में चिपकाई गई सेजल की तस्वीरें आज धूल फांक रही हैं। शुरूआती जांच में टालमटोल रवैया अपनाया गया, कुछ संदिग्धों का नार्को टेस्ट हुआ और फिर फाइलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मामले की गंभीरता और पुलिस की नाकामी को देखते हुए अप्रैल 2026 में यह केस सीआईडी को सौंपा गया। इसके बाद जुलाई 2026 में झारखंड हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीबीआई को पक्षकार बनाया और सीआईडी के साथ संयुक्त जांच का आदेश दिया। अदालत के इस हस्तक्षेप से न्याय की एक उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन कड़वी हकीकत यही है कि इतने बड़े जांच तंत्र के बाद भी सेजल का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

सिस्टम की इस बेरुखी और ढुलमुल रवैये से आम जनता में भारी आक्रोश पनप रहा है। इस मानवीय त्रासदी पर निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि उषा झा की पीड़ा सिर्फ एक मां का दर्द नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना पर लगा करारा तमाचा है। जब तक हर घर और हर गली से इस अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठेगी, तब तक यह सोया हुआ सिस्टम नहीं जागेगा। उन्होंने देश में पांव पसार रहे मानव तस्करी के नेटवर्क पर रोक लगाने के लिए सभी जातियों, समुदायों और राजनीतिक दलों से एकजुट होकर पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने की अपील की। वहीं आदिवासी नेत्री सुश्री सोनिया कुमारी मुर्मू ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आज समाज इस बेबसी पर खामोश रहा, तो कल किसी और की बेटी गायब होगी और पुलिस फिर से नया आश्वासन थमा देगी। सेजल झा का मामला अब महज एक लापता किशोरी का केस नहीं रहा, बल्कि यह देश की कानून-व्यवस्था, बेटियों की सुरक्षा और एक इंसान के तौर पर हमारी संवेदनशीलता का बहुत बड़ा इम्तिहान बन चुका है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में पथरिया निवासी युवक की दर्दनाक मौत, गांव में शोक की लहर

चतरा। इटखोरी प्रखंड के पथरिया गांव निवासी रंजीत विश्वकर्मा की हजारीबाग जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रंजीत विश्वकर्मा किसी निजी कार्य से हजारीबाग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत सलाहाराझरंजीता के समीप उनकी सड़क दुर्घटना हो गई। बताया जाता है कि दुर्घटना इतनी भीषण थी कि रंजीत विश्वकर्मा ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक तौर पर हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। दुर्घटना की सूचना जैसे ही पथरिया गांव पहुंची, पूरे गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि रंजीत विश्वकर्मा मिलनसार और व्यवहार कुशल व्यक्ति थे तथा गांव में सभी के सुख-दुख में हमेशा साथ रहते थे। उनके असामयिक निधन से गांव के लोगों में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ित परिवार को नियमानुसार सरकारी मुआवजा एवं हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने भी शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

ओबीसी कर्मचारी पदाधिकारी महासंघ की बैठक संपन्न, डीईओ पलामू के साथ दुर्व्यवहार की निंदा

मेदिनीनगर। ओबीसी कर्मचारी पदाधिकारी महासंघ झारखंड की प्रांतीय मासिक बैठक रविवार को बारालोटा हनुमान नगर, वार्ड संख्या-4, स्थित सेवानिवृत्त शिक्षक रंगलाल प्रसाद के आवास पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार ठाकुर ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव श्याम देव महतो ने किया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी पलामू संदीप कुमार के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा कथित दुर्व्यवहार की घटना की कड़ी निंदा की गई। महासंघ ने कहा कि ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों पर दबाव बनाने के प्रयास स्वीकार्य नहीं हैं। वक्ताओं ने इसे सुनियोजित घटना बताते हुए आरोप लगाया कि कुछ शरारती तत्वों ने इसे राजनीतिक रंग देकर समाज और शिक्षक-कर्मचारियों के बीच विभाजन पैदा करने का प्रयास किया। महासंघ ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं का लोकतांत्रिक ढंग से मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा तथा डीईओ को हर संभव सामाजिक एवं नैतिक समर्थन दिया जाएगा। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए। आगामी 15 अगस्त को राज्य स्तरीय कार्यालय, डालमिया परिसर में प्रातः 11:30 बजे राष्ट्रीय ध्वजारोहण करने का निर्णय लिया गया। ओबीसी आरक्षण से जुड़े मुद्दों, ईडब्ल्यूएस आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग नीति तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। अक्टूबर में प्रस्तावित कवि सम्मेलन में महासंघ की सक्रिय भागीदारी पर सहमति बनी। बैठक में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह, डीईओ संदीप कुमार, लघु सिंचाई विभाग के एसडीओ सुरेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी, अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जायसवाल समाज की बैठक में एकजुटता पर बल, विभिन्न समितियों का किया गया गठन

बोकारो। जायसवाल समाज सर्ववर्गीय बोकारो की बैठक रविवार को क्रेजी कार कार्यालय परिसर में अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समाज के विभिन्न उपवर्गों को एकजुट कर संगठन को अधिक सशक्त बनाने तथा सामाजिक गतिविधियों को विस्तार देने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता है। उन्होंने सभी उपवर्गों से आपसी समन्वय, सहयोग और सौहार्द के साथ एक मंच पर आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता है कि समाज संगठित होकर सामाजिक, शैक्षणिक और वैवाहिक गतिविधियों को बढ़ावा दे तथा नई पीढ़ी को भी संगठन से जोड़ा जाए। बैठक में समाज के विभिन्न उपवर्गों के बीच वैवाहिक संबंधों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कविता राज को वैवाहिक समिति का संयोजक मनोनीत किया गया। इसके अलावा देव कुमार को प्रधान महामंत्री, अमरनाथ, ज्ञानचंद्र जायसवाल एवं नागेश्वर प्रसाद भगत को सचिव, कमलेश जायसवाल, मनोज जय और अशोक कुमार को कार्यकारिणी समिति का सदस्य तथा जगदीश चौधरी को संविधान समिति का संयोजक बनाया गया। इस अवसर पर जायसवाल महिला समिति की संयोजक एवं दंत चिकित्सक डॉ. क्षमा भारती के नेतृत्व में आगामी 23 अगस्त को बुद्ध विहार, बोकारो में सावन महोत्सव आयोजित करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला समिति के साथ-साथ समाज के सभी सदस्यों से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। बैठक में सेवानिवृत्त डीएसपी बिनोद गुप्ता, राजकुमार प्रिय, विजय जायसवाल, तारणी जायसवाल,अशोक कुमार सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में झारखंड बना नई सोच का उदाहरण

झारखंड दर्शन संवाददाता

रांची/ पलामू। झारखंड में महिला सशक्तीकरण, स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार सकारात्मक पहल हो रही है। राज्य में महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया की सक्रिय भागीदार बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए रांची में मारवाड़ी सहायक समिति द्वारा आयोजित 'सावन सिंधारा' एवं 'परंपरा आर्ट एंड हेरिटेज प्रदर्शनी' में महिलाओं ने हस्तशिल्प, परिधान, गृह सज्जा सामग्री, पारंपरिक कलाकृतियों तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं का प्रदर्शन किया। यह आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों के विपणन, नए ग्राहकों से जुड़ने और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी मंच प्रदान करता है। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह लगातार इस बात पर बल देती रही हैं कि महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षण, बाजार और सम्मान भी मिलना चाहिए।

उनका मानना है कि महिला सशक्तीकरण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि झारखंड की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पाद आधुनिक विपणन एवं डिजिटल मंचों से जुड़कर राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला अपने परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे आयोजन न केवल महिलाओं की प्रतिभा को मंच देते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि महिला सशक्तीकरण को स्थायी सफलता तभी मिलेगी, जब महिला उद्यमिता से जुड़े अवसर राज्य के प्रत्येक जिले, अनुमंडल और प्रखंड तक पहुंचाए जाएं।

राजधानी में आयोजित प्रदर्शनियां प्रेरणादायक हैं, लेकिन इनका विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों तक होना आवश्यक है। महिला उद्यमियों के लिए नियमित प्रदर्शनी, कौशल विकास प्रशिक्षण, डिजाइन नवाचार, डिजिटल विपणन और ई-कॉमर्स से जुड़ने की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो स्थानीय उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच सकते हैं। इससे महिलाओं की आय बढ़ेगी और राज्य की सांस्कृतिक पहचान भी मजबूत होगी।

सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, उद्योग जगत और सरकार के समन्वित प्रयास महिला उद्यमिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। मारवाड़ी सहायक समिति जैसे संगठन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे प्रयास महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि महिला उद्यमिता केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला है। आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार और समाज के विकास में अधिक प्रभावी योगदान देती हैं।

इसलिए महिलाओं को अवसर देना किसी प्रकार का उपकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनकी स्वाभाविक भागीदारी को स्वीकार करना है। यदि महिला-केंद्रित विकास की यह सोच निरंतर आगे बढ़ती रही, तो आने वाले वर्षों में झारखंड महिला उद्यमिता, सांस्कृतिक नवाचार और समावेशी विकास के सफल मॉडल के रूप में पूरे देश में नई पहचान स्थापित कर सकता है।

'जिओ और जीने दो' संस्था के सावन महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

काव्य-पाठ व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। स्वयंसेवी संस्था जिओ और जीने दो के बैनर तले संस्था की संयोजिका कनक लता राय के निर्देशन में रविवार को सावन महोत्सव सह काव्य-पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मंच संचालन कनक लता राय एवं सुभद्रा मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। आयोजित काव्य-पाठ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में सरोज पाण्डेय ने प्रथम, उषा देवघरिया ने द्वितीय तथा संजू गिरि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सावन महोत्सव के अंतर्गत एकल नृत्य, एकल गीत, सावन क्वीन, बेस्ट कॉस्ट्यूम एवं फिटनेस प्रतियोगिता सहित कई आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

एकल नृत्य प्रतियोगिता में तनया घोष प्रथम, वंशिका श्री द्वितीय तथा रिंकू गिरि तृतीय स्थान पर रहीं। एकल गीत प्रतियोगिता में ज्योति बिष्ट ने प्रथम, इंदू अग्रवाल ने द्वितीय तथा बबीता सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया। सावन क्वीन प्रतियोगिता का खिताब तनया घोष ने जीता, जबकि वंशिका श्री रनर-अप रहीं। बेस्ट कॉस्ट्यूम का पुरस्कार नीलम मिश्रा को प्रदान किया गया। फिटनेस प्रतियोगिता में विभा सिंह विजेता घोषित की गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का मूल्यांकन सुभद्रा मिश्रा, इंदू अग्रवाल, कनक लता राय, विभा झा, पुष्पा पाण्डेय, सत्या सिंह, अनिता किरण, शांता सिंह एवं कस्तूरी सिन्हा ने निर्णायक मंडल के रूप में किया। विजेताओं को अनिता किरण, सुभद्रा मिश्रा, विभा झा, झारखंड दर्शन की ब्यूरो चीफ बोकारो मालती तिवारी तथा कवि एवं लेखक कनक लता राय ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अंत में संयोजिका कनक लता राय ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लास, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

द्वारषिणी मोड़ पर बालू लदा ट्रेलर फंसने से 10 घंटे बाधित रहा आवागमन

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के चंद्रपुराझनावाडीह मुख्य सड़क पर द्वारषिणी मोड़ के समीप शनिवार को बालू से लदा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे फंस गया। इस घटना के कारण मुख्य मार्ग पर लगभग 10 घंटे तक यातायात बाधित रहा। हालांकि, दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से ट्रेलर को हटाकर आवागमन पुनः सामान्य कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेलर संख्या बी आर 02 जी ई 9106 बिहार से बालू लेकर बोकारो की ओर जा रहा था। द्वारषिणी मोड़ पर वाहन मोड़ते समय चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे ट्रेलर सड़क से नीचे उतरकर किनारे फंस गया।

ट्रेलर के फंसते ही सड़क के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई। यात्रियों और स्थानीय लोगों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा

कई वाहन वैकल्पिक मार्ग की तलाश करते रहे, जबकि कुछ वाहन सड़क खुलने का इंतजार करते रहे। घटना की सूचना मिलते ही चंद्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और तत्काल क्रेन मंगाकर ट्रेलर को सड़क से हटाने की कार्रवाई शुरू कराई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ट्रेलर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। थाना प्रभारी विक्रम कुमार ने बताया कि जांच के दौरान ट्रेलर में लदे बालू तथा वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज सही पाए गए। दुर्घटना केवल वाहन के अनियंत्रित होकर फंस जाने के कारण हुई थी। उन्होंने वाहन चालकों से बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतने तथा मोड़ों पर धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की है।

जेपीएससी परीक्षा पेपर लीक युवाओं से विश्वासघात, आप ने की निष्पक्ष जांच की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में कथित पेपर लीक एवं अन्य अनियमितताओं के आरोप राज्य के लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात है। मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच आवश्यक है ताकि निर्दोष अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा हो सके। यह मांग आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भाष्कर सुमन ने रविवार को की है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का स्पष्ट मानना है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की विश्वसनीयता लोकतंत्र और सुशासन की आधारशिला होती है। यदि भर्ती प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें तो सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों मेहनती युवाओं का होता है, जो वर्षों की तैयारी के बाद ईमानदारी से परीक्षा देते हैं। पार्टी झारखंड सरकार से मांग

करती है कि इस पूरे प्रकरण की जांच पूरी पारदर्शिता के साथ समयबद्ध तरीके से कराई जाए, दोषी चाहे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जेपीएससी की प्रासंगिकता पर कोई पहली बार प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं लगा है। राज्य की सबसे बड़ी परीक्षा बोर्ड अगर लगातार सवालों के घेरे में हो तो छात्र मायूस हो जाते हैं। भाजपा - जेएमएम - आजसू - कांग्रेस कोई भी जेपीएससी पर सरकार को घेरने का नैतिकता तो नहीं जुटा सकती क्योंकि सभी सरकारों के कार्यकाल में जेपीएससी की निष्पक्षता धूमिल होते रही है।

श्री सुमन ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, जवाबदेही, पारदर्शिता और स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। झारखंड का युवा नौकरी नहीं, बल्कि न्याय मांग रहा है। सरकार का दायित्व है कि वह युवाओं के विश्वास को बहाल करे और यह सुनिश्चित करे कि प्रतिभा का सम्मान हो, न कि भ्रष्टाचार का।

अज्ञात महिला हत्या मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने शहर थाना क्षेत्र के भगवती अस्पताल के पीछे झरना टोला में हुई अज्ञात महिला की हत्या के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे अनुसंधान के क्रम में की गई। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले ही अभियुक्ता चंदा देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका था।

जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर उसके पति उपेन्द्र कुमार की संलिप्तता भी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी उपेन्द्र कुमार गढ़वा जिले के डंडई थाना क्षेत्र अंतर्गत बालेखांड़ गांव का निवासी है।

पुलिस ने बताया कि उसके विरुद्ध पूर्व से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसका आपराधिक इतिहास रहा है।

इस कारण पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी विस्तृत जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के इस मामले में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान आगे बढ़ाया जा रहा है। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है, ताकि घटना में शामिल सभी आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो सके। पुलिस ने विश्वास जताया है कि निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित जांच के माध्यम से मामले का शीघ्र खुलासा कर न्यायालय में मजबूत आरोप-पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही अपराधियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत बोकारो में प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का प्रसारण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में रविवार को 'नशा मुक्त युवाझविकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत गवर्नमेंट महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालीडीह, बोकारो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सफल प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं, माई भारत के स्वयंसेवकों, शिक्षकों तथा अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लेकर नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गवर्नमेंट महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ० राकेश कुमार ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं

सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

अपने वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'नशा मुक्त युवाझविकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ करते हुए युवाओं से इसे जनआंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी युवा की प्रतिभा, उसके परिवार और राष्ट्र के भविष्य को प्रभावित करता है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश के युवा नशे से मुक्त होकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएंगे।

उन्होंने युवाओं से खेल, योग, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आग्रह करते हुए प्रत्येक युवा से कम-से-कम एक अन्य व्यक्ति को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। उन्होंने युवाओं से माई भारत पोर्टल पर डिजिटल संकल्प लेकर इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ग्रहण कर समाज में जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में चिन्मय विद्यालय, सेक्टर-5, बोकारो में भी प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया। वहां विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशामुक्ति की शपथ लेकर अभियान को सफल बनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रिमझिम बारिश में खिल उठी बचपन की मुस्कान, बच्चों ने लिया मानसून का आनंद

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। मानसून की रिमझिम फुहारों ने चंद्रपुरा प्रखंड में मौसम को सुहावना बना दिया है। कई दिनों की उमस और गर्मी के बाद हुई बारिश ने जहां किसानों के चेहरों पर राहत की मुस्कान बिखेर दी है, वहीं बच्चों के लिए यह मौसम किसी उत्सव से कम नहीं है। बारिश की बूंदों के बीच बच्चों की चहक और उनकी मासूम खुशियां हर किसी का मन मोह रही हैं। इसी क्रम में एक मनमोहक दृश्य सामने आया, जिसमें नन्हा बालक दीपेश कुमार महतो रंग-बिरंगी छतरी लिए अपने घर के आंगन में बारिश का आनंद लेता दिखाई दिया। चारों ओर वर्षा का पानी जमा होने के बावजूद उसके चेहरे की मुस्कान मानसून की खुशियों को बयां कर रही थी। बचपन की यही निश्छलता और उत्साह बरसात के मौसम को और भी यादगार बना देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हुई इस वर्षा से खेतों में नमी बढ़ी है, जिससे किसानों को खरीफ फसलों की बेहतर पैदावार की उम्मीद जगी है। धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए यह बारिश काफी लाभकारी मानी जा रही है। मौसम में आई ठंडक से लोगों को भी भीषण उमस से राहत मिली है और वातावरण पूरी तरह तरोताजा हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून की नियमित वर्षा कृषि के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

धनबाद के एसजेएएस अस्पताल में पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से मिले भाजपा के वरिष्ठ नेता

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदरणीय आदित्य साहू, धनबाद के सांसद ढुलू महतो तथा धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने रविवार को धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल पहुंचकर सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो कोरोना काल से ही अस्वस्थ चल रहे हैं। भाजपा नेताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे जल्द स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो की धर्मपत्नी, भाजपा नेत्री एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती तारा देवी, उनकी पुत्री डॉ० निशी महतो तथा पुत्र प्रशांत महतो भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो को शनिवार को बोकारो से बेहतर चिकित्सा के लिए धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की इस मुलाकात के दौरान उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार की कामना व्यक्त की गई।

डुमरी विधायक जयराम महतो ने अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो का जाना हालचाल

धनबाद। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो को बोकारो से धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल में स्थानांतरित किए जाने के बाद विभिन्न जनप्रतिनिधियों का उनसे मिलने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में डुमरी विधायक जयराम महतो देर शाम अस्पताल पहुंचे और पूर्व विधायक से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि कठिन समय में धैर्य बनाए रखना आवश्यक है तथा सभी लोग उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना कर रहे हैं। उन्होंने परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। ज्ञात हो कि इंद्रजीत महतो का उपचार अप्रैल 2021 से लगातार चल रहा है। हाल ही में उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए बोकारो से धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। अस्पताल से निकलने के बाद जयराम महतो ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि इंद्रजीत महतो जल्द पूर्णतः स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि समाज के लिए उनका अनुभव और योगदान महत्वपूर्ण है तथा सभी लोग उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

चंद्रदेव महतो व मथुरा प्रसाद महतो ने अस्पताल में पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो का जाना हालचाल

सिंदरी/धनबाद। सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो के स्वास्थ्य का हालचाल जानने के लिए सिंदरी विधायक कॉमरेड चंद्रदेव महतो एवं झारखंड विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो धनबाद स्थित एसजेएएस अस्पताल पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल में भर्ती पूर्व विधायक से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा चिकित्सकों से उपचार की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने इंद्रजीत महतो के साथ कुछ समय बिताया और उनका कुशलक्षेम जाना। चिकित्सकों से बातचीत कर उन्होंने चल रहे उपचार, स्वास्थ्य स्थिति तथा आगे की चिकित्सा प्रक्रिया की जानकारी ली। । उन्होंने कहा कि सभी की प्रार्थनाएं उनके साथ हैं और उन्हें विश्वास है कि वह जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर पुनः जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाएंगे। दोनों नेताओं ने ईश्वर से पूर्व विधायक के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सुखद जीवन की प्रार्थना करते हुए कहा कि जनसेवा के क्षेत्र में उनका अनुभव समाज के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने परिवार के सदस्यों का भी हौसला बढ़ाया और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर अस्पताल में मौजूद लोगों ने भी इंद्रजीत महतो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जनप्रतिनिधियों की इस मुलाकात को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर मानवीय संवेदनाओं का परिचायक बताया गया।

मां हॉस्पिटल, बलियापुर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित, 32 लोगों ने उठाया लाभ

बलियापुर। बलियापुर स्थित मां हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के क्षेत्रों से आए कुल 32 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य लोगों को नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में अस्पताल की युवा, कुशल एवं अनुभवी नेत्र विशेषज्ञ डॉ० आर० साहा ने मरीजों की आधुनिक उपकरणों की सहायता से विस्तृत जांच की। उन्होंने प्रत्येक मरीज का नेत्र संबंधी पूर्व चिकित्सकीय इतिहास जानने के बाद आँखों की पुतली एवं दृष्टि की सावधानीपूर्वक जाँच की तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जांच के दौरान कई मरीजों को आवश्यकतानुसार आई ड्रॉप एवं चश्मे की सलाह दी गई। कुछ लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दवाइयां एवं चश्मे भी प्राप्त किए। शिविर में आए मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्था एवं चिकित्सकीय सेवा पर संतोष व्यक्त किया।

शक्ति नाथ महतो की 78 वीं जयंती पर भाजपा नेताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। झारखंड आंदोलन के अमर शहीद एवं क्रांतिदूत शक्ति नाथ महतो की 78 वीं जयंती के पावन अवसर पर तेतुलमुड़ीझसिजुआ स्थित शक्ति नाथ महतो स्मारक विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की झारखंड प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीमती तारा देवी तथा धनबाद ग्रामीण जिला मंत्री डॉ. निशी महतो ने शहीद शक्ति नाथ महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि शहीद शक्ति नाथ महतो

ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका त्याग, संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके आदर्शों पर चलकर समाज और राज्य के विकास के लिए कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, धनबाद के सांसद ढुलू महतो, धनबाद के विधायक राज सिन्हा, बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो, बड़कागांव के विधायक रौशन लाल चौधरी, झरिया की विधायक रागिनी सिंह, निरसा की पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, भाजपा धनबाद महानगर जिलाध्यक्ष श्रवण राय, धनबाद ग्रामीण जिलाध्यक्ष मोहन चंद्र कुम्हार सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया और शहीद शक्ति नाथ महतो के चित्र एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपस्थित लोगों ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन को स्मरण करते हुए झारखंड के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया। श्रद्धांजलि सभा का वातावरण देशभक्ति और सम्मान की भावना से ओतप्रोत रहा।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय, तारा देवी का किया गया सम्मान

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी के धनबाद जिला कार्यालय में धनबाद ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री मोहन चंद्र कुम्हार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती तारा देवी तथा धनबाद जिला ग्रामीण मंत्री डॉ. निशी महतो सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान हाल ही में झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत होने पर सिंदरी की लोकप्रिय भाजपा नेत्री श्रीमती तारा देवी का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। उपस्थित नेताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और नेतृत्व से संगठन को नई

मजबूती मिलेगी। बैठक में आगामी संगठनात्मक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती तथा तिरंगा यात्रा के सफल, भव्य और प्रभावी आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आगामी कार्यक्रमों को पूर्ण उत्साह, अनुशासन और संगठनात्मक भावना के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया।

भागा-5 में भाकपा (माले) का मिलन समारोह, 150 से अधिक युवाओं ने ग्रहण की सदस्यता

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। भाकपा (माले) धनबाद जिला समिति के तत्वावधान में झरिया विधानसभा क्षेत्र के भागा-5 में रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विकू पासवान के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े 150 से अधिक युवाओं ने भाकपा (माले) की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में निरसा विधायक अरूप चटर्जी और सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने नवसदस्यों का माला पहनाकर तथा पार्टी का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि झरिया की जनता पारंपरिक राजनीतिक घरानों और वर्तमान सांसद के कार्यों से निराश हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब भाकपा (माले) को एक सशक्त विकल्प के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि झरिया का संघर्षों का इतिहास लाल झंडे से जुड़ा रहा है और युवाओं के सहयोग से क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदली जा सकती है। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि औद्योगिक और कोयला क्षेत्र होने के बावजूद झरिया की जनता बिजली, पानी, प्रदूषण और विस्थापन जैसी समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर क्षेत्र की उपेक्षा हुई है और जनता के अधिकारों की लड़ाई भाकपा (माले) ही मजबूती से लड़ रही है। जिला सचिव बिंदा पासवान ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भाकपा (माले) सड़क से सदन तक जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों से संगठित होकर जनसमस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सुभाष चटर्जी, विजय कुमार पासवान, राजेंद्र पासवान, तुलसी रवानी, सपन पासवान, सोनू गोराई, मनीष यादव, कामता पासवान, राजेश बिरूवा, करण पासवान, शुभम पासवान, शशी पासवान और बिरजू सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीसीसीआई महिला तेज गेंदबाज शिविर के लिए चयनित अनंदिता किशोर का डीसीए ने किया सम्मान

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद क्रिकेट संघ की प्रबंध समिति ने बीसीसीआई के महिला तेज गेंदबाज प्रशिक्षण शिविर के लिए आमंत्रित क्रिकेटर अनंदिता किशोर को सम्मानित किया। डीसीए के अध्यक्ष मनोज कुमार सहित पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि अनंदिता ने अंडर-19 विश्व कप और एशिया कप टीम में स्थान बनाकर धनबाद का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भारतीय सीनियर महिला क्रिकेट टीम का भी हिस्सा बनेंगी। इस अवसर पर उनके कोच एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए निरंतर सफलता की शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह में अनंदिता किशोर ने कहा कि उनकी हर उपलब्धि के पीछे डीसीए का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि डीसीए के

पदाधिकारी हमेशा उनका उत्साहवर्धन करते रहे हैं। उन्होंने अपने माता-पिता, विशेषकर अपनी मां के सहयोग को याद करते हुए कहा कि उनके समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि अंडर-19 विश्व कप के दौरान उन्हें अपेक्षित अवसर नहीं मिला, जिससे निराशा हुई, लेकिन उसी अनुभव ने उन्हें और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। बैठक में डीसीए की प्रबंध समिति में शामिल नए सदस्यों अभिषेक सिंह, अनवर सिद्दीकी, शिव शक्ति एवं अशोक सराफ का परिचय कराया गया। अध्यक्ष मनोज कुमार ने सत्र 2025-26 के सफल संचालन के लिए सभी प्रायोजकों, कोच, चयनकताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अगले सत्र में कूच बिहार ट्रॉफी के एक मैच की मेजबानी धनबाद को मिली है, जिसे रेलवे स्टेडियम में आयोजित कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे भविष्य में रणजी ट्रॉफी मैचों की मेजबानी का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती पर श्रद्धांजलि, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो सहित कई नेताओं ने किया माल्यार्पण

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। झारखंड आंदोलन के महान सेनानी, शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव मन्नू आलम, निर्मल रजवार सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने शहीद शक्तिनाथ महतो की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने उनके बताए आदर्शों एवं संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प भी दोहराया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि शहीद शक्तिनाथ महतो ने झारखंड आंदोलन, विस्थापितों, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। उनका संघर्ष, त्याग और समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके सपनों का समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त झारखंड बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। वक्ताओं ने शहीद शक्तिनाथ महतो के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस समिति ने ओल्ड एज होम में कराया स्नेह भोज

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस समिति, श्याम नगर, भूली, धनबाद के तत्वावधान में रविवार को सबलपुर स्थित ओल्ड एज होम में रहने वाले वृद्धजनों के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, अपनत्व और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था। समिति के सदस्यों ने वृद्धजनों के साथ आत्मीयता से समय बिताया, उनका कुशलक्षेम जाना तथा अपने हाथों से भोजन परोसकर उनके प्रति आदर और स्नेह व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी पूजा है। वरिष्ठ नागरिक अपने अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों के कारण समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना ही इस सेवा अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। समिति ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं मानवीय सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। सदस्यों ने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर वृद्धाश्रमों में जाकर वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताना चाहिए, ताकि उन्हें अपनापन और सम्मान का अनुभव हो सके। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास के साथ नील कमल खवास, प्रदीप श्रीवास्तव, सुमेश साव, कोमल देवी, संदीप साव, सोनू, पूर्णिमा विश्वास, अंकिता विश्वास, मंजू देवी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पतंजलि योगपीठ के स्थापना दिवस पर योग शिविर, सांसद ढुल्लू महतो ने किया उद्घाटन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। रामरूद्रा हाई स्कूल परिसर, चास में पतंजलि योगपीठ के 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने उपस्थित लोगों को नियमित योग करने का संदेश देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी से करें योग, रहें निरोग का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पतंजलि योगपीठ के पदाधिकारियों एवं योग प्रशिक्षकों ने सांसद ढुलू महतो का पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमाला भेंट कर भव्य स्वागत किया। योग शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन,

प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। शिविर में योग के वैज्ञानिक महत्व, नियमित अभ्यास से होने वाले स्वास्थ्य लाभ तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और सकारात्मक जीवन का आधार है।

आयोजकों ने बताया कि पतंजलि योगपीठ समाज में योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। शिविर के समापन पर सभी प्रतिभागियों से नियमित योगाभ्यास करने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया।

सम्मान | **गोल संस्थान ने नीट में सफल 50 से अधिक छात्रों को किया सम्मानित**

गोल संस्थान के विद्यार्थी अनुशासित और मेहनती होते हैं

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले प्रतिष्ठित गोल संस्थान ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नीट परीक्षा में धनबाद शाखा से सफल 50 से अधिक छात्रों को सम्मानित किया। समारोह में सफल विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, टॉपर्स ट्रॉफी, पदक, स्टेथोस्कोप तथा एप्रन प्रदान कर उनकी उपलब्धि का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, उनके अभिभावक, संस्थान के पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सफल छात्रों ने

अपनी सफलता के अनुभव साझा करते हुए नियमित कक्षाओं, टेस्ट सीरीज, विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन, अनुशासित वातावरण तथा प्रतियोगी माहौल को अपनी सफलता का प्रमुख आधार बताया। उनके अनुभवों ने तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया। मुख्य अतिथि बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राम कुमार सिंह ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि धनबाद जैसे शहर से प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का मेडिकल संस्थानों में चयन होना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि गोल संस्थान शिक्षा के माध्यम से समाज, राज्य और राष्ट्र के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। विशिष्ट अतिथि एवं प्रसिद्ध ईएनटी सर्जन डॉ० सुजीत कुमार ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए चिकित्सा क्षेत्र की चुनौतियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गोल संस्थान के विद्यार्थी अनुशासित और मेहनती होते हैं, इसलिए वे देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बीपीन सिंह ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास, समर्पित शिक्षकों और संस्थान की परिणामोन्मुखी कार्यप्रणाली को दिया। केंद्र निदेशक संजय आनंद ने बताया कि पिछले 28 वर्षों में गोल संस्थान से 18 हजार से अधिक विद्यार्थी चिकित्सक तथा हजारों छात्र अभियंता बनकर देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन मुख्य समन्वयक अभिषेक कुमार ने किया, जबकि इसे सफल बनाने में संस्थान की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती पर क्विज प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दी श्रद्धांजलि

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिजुआ। शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज, सिजुआ में झारखंड के महान क्रांतिदूत शहीद शक्तिनाथ महतो की 78 वीं जयंती के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष शक्तिनाथ महतो की जयंती पर क्विज प्रतियोगिता एवं फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करता है। इस वर्ष प्रतियोगिता में झारखंड के इतिहास, संस्कृति तथा राज्य के अमर शहीदों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दस मेधावी छात्र-छात्राओं को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के

अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता के उपरांत महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं शहीद स्मारक पहुंचे, जहां शहीद वेदी पर माल्यार्पण कर शक्तिनाथ महतो को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रमेश प्रसाद ने कहा कि शहीद शक्तिनाथ महतो ने समाज के शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि क्विज प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को झारखंड के इतिहास, संस्कृति तथा शहीदों के योगदान से परिचित कराना है, ताकि उनमें अपने राज्य और महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो। कार्यक्रम में प्रो० मोकितउद्दीन, प्रो० समीर कुमार महतो, प्रो० अविनाश कुमार, प्रो० कल्पना कुमारी, प्रो० राखोहारी महतो, प्रो० राजू महतो, प्रो० मनोज कुमार महतो, प्रो० मेघनाथ महतो, प्रो० राकेश कुमार महतो, प्रो० दिनेश मधेशिया, प्रो० राजकुमार प्रसाद, प्रो० पंचानन सिंह चौधरी, प्रो० शेखर महतो, प्रो० चमन महतो, प्रो० प्रियंका कुमारी सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

बुद्धिमान व्यक्तियों को सलाह की आवश्यकता नहीं होती, मूर्ख लोग इसे स्वीकार नहीं करते है। -बेंजामिन फ्रैंकलिन

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो

याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

– सनत जैन

पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

राजेश रंजन, जिन्हें पप्पू यादव के नाम से जाना जाता है, बिहार की राजनीति के विवादास्पद नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक जीवन जितना लंबा है, उतना ही विवादों से भी घिरा है। वे कई बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं और समय-समय पर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), लोक जनशक्ति पार्टी तथा बाद में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के माध्यम से राजनीति करते रहे। वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, हालांकि पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की और बाद में संसद में कांग्रेस-नीत विपक्ष के साथ तालमेल बनाकर काम करना शुरू किया।

पप्पू यादव का राजनीतिक आधार मुख्यतः सीमांचल और कोसी क्षेत्र में रहा है, वे स्वयं को गरीब और वंचितों की आवाज के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों के कारण भी उन्हें व्यापक चर्चा मिली। दूसरी ओर, उनके राजनीतिक जीवन के साथ कई आपराधिक मामले भी जुड़े रहे हैं। विभिन्न मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज हुए और कुछ मामलों में उन्हें न्यायालयों का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले दोषी नहीं माना जाता।

वर्ष 2015 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) का गठन किया। उद्देश्य था कि बिहार की पारंपरिक राजनीति का विकल्प प्रस्तुत करना लेकिन यह दल राज्य स्तर पर मजबूत संगठन, संसाधन और व्यापक सामाजिक गठबंधन विकसित नहीं कर सका। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय समीकरण और बड़े दलों में जद(यू), राजद, भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही , ऐसे में जन अधिकार पार्टी को सीमित क्षेत्रों से आगे विस्तार नहीं मिल सका, यही कारण रहा कि अंततः उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया।

हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था। वहीं, कई संतों, धार्मिक संगठनों और अन्य लोगों ने इसे सनातन का अपमान बताया तथा इस संबंध में पुलिस शिकायतें भी दर्ज कराई गईं।

सनातन धर्म और अन्य धर्मों में नैतिक प्रश्न

यह कहना कि केवल सनातन धर्म में ही चोरी या अनियमितता होती है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। किसी भी धर्म का मूल सिद्धांत नैतिकता, ईमानदारी और न्याय है लेकिन व्यवहारिक स्तर पर सभी समाज और धर्मों में कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत कार्य किए जाने के उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह हिंदू धार्मिक संस्थान हों, मुस्लिम वक्फ बोर्ड से जुड़े मामले हों, ईसाई मिशनरी संस्थाएँ हों या अन्य धार्मिक संगठन- वित्तीय अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इसलिए किसी एक धर्म को विशेष रूप से निशाना बनाकर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जाता, यदि किसी धार्मिक संस्था में चंदे या दान के उपयोग को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका समाधान जांच, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के आधार पर।

सनातन धर्म की दृष्टि से विचार

सनातन धर्म में भगवा वस्त्र त्याग, तप, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों का उपयोग केवल राजनीतिक व्यंग्य या विरोध के लिए करता है तो अनेक श्रद्धालु इसे अनुचित मानते हैं। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक विरोध भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक माध्यम माना जाता है। इसलिए यह प्रश्न केवल धार्मिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा और राजनीतिक शालीनता से भी जुड़ा है, यदि किसी प्रदर्शन से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका हो तो सार्वजनिक जीवन में संयम बरतना अधिक उपयुक्त माना जाता है। वहीं, यदि किसी पक्ष को भ्रष्टाचार या अनियमितता का आरोप लगाना हो तो उसके लिए संसद में बहस, दस्तावेज, जांच और कानूनी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और गरिमापूर्ण माध्यम माने जाते हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक नैतिकता

पप्पू यादव सहित कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले रहे हैं लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार जब तक किसी व्यक्ति को न्यायालय दोषी सिद्ध न कर दे, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। इसी तरह किसी भी राजनीतिक नेता को यह अधिकार है कि वह संसद में मुद्दे उठाए, बशर्ते वह संसदीय मयार्दा के भीतर हो। हालांकि राजनीतिक नैतिकता का प्रश्न अलग है। जनता अक्सर यह अपेक्षा करती है कि जनप्रतिनिधि अपने आचरण में संयम रखें, विशेषकर जब वे धार्मिक प्रतीकों या संवेदनशील मुद्दों को उठाते हैं।

जन प्रतिक्रिया

इस घटना पर लोगों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं रही। कुछ विपक्ष समर्थकों ने इसे सरकार पर व्यंग्य और जवाबदेही तय करने का प्रयास बताया। वहीं अनेक धार्मिक संगठनों, संतों तथा सामाजिक समूहों ने इसे सनातन परंपराओं और भगवा वस्त्र का राजनीतिक उपहास बताया तथा विरोध दर्ज कराया। सोशल मीडिया पर भी समर्थन और विरोध- दोनों प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। कई लोगों का मानना है कि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर इस प्रकार के प्रतीकात्मक प्रदर्शन की बजाय ठोस मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। वहीं कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं।

पप्पू यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, विवाद और लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों का मिश्रण रहा है। उनकी पार्टी जन अधिकार पार्टी बिहार की राजनीति में स्थायी विकल्प नहीं बन सकी, जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस के साथ राजनीतिक तालमेल स्थापित किया। जहां तक धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक उपयोग करने का प्रश्न है, लोकतंत्र में विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, किंतु धार्मिक आस्थाओं का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यह भी समझना जरूरी है कि किसी एक धर्म को विशेष रूप से भ्रष्टाचार या अनैतिकता से जोड़ना न तो तथ्यात्मक रूप से सही है और न ही सामाजिक सौहार्द के लिए उचित। लोकतांत्रिक विमर्श तब अधिक प्रभावी माना जाता है जब वह तथ्यों, संवैधानिक मयार्दाओं और परस्पर सम्मान के आधार पर आगे बढ़े। **(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)**

संसद परिसर में स्वांग प्रकरण: सभ्यों से बनती है सभा, उच्यते सभासु

हृदयनारायण दीक्षित

संसद देशकाल का दर्पण होती है। अपनी संसद डेढ़ अरब लोगों की भाग्य विधाता है। संसद के पास नए कानून बनाने की क्षमता के साथ संविधान संशोधन के भी अधिकार हैं। भारत में विचार-विमर्श की परंपरा है ही। वेदों में भी साथ साथ चलने और परामर्श करने के मंत्र हैं। संसद आदर योग्य है। संसदीय व्यवस्था का कोई विकल्प नहीं। संसद अपने सदस्यों से बनती है। सदस्यों द्वारा आदर पाती है। यह सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था है। लेकिन पीछे कुछ वर्षों से संसद की गरिमा और महिमा को अपमानित किया जा रहा है। जान पड़ता है कि शब्दों का अकाल है। जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चलने वाली फिल्में गाली-गलौच और हिंसा से लबालब भरी होती हैं। वैसे ही दुर्भाग्य से हमारी संसद में वाणी संयम नहीं है। मर्यादा का अभाव है।

वैदिक काल परिपूर्ण संसदीय था। लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप ने लिखा, 'भारत में वैदिक युग से ही गणतांत्रिक स्वरूप, प्रतिनिधित्व विचार विमर्श और स्थानीय स्वशासन की संस्थाएँ थीं। ऋग्वेद, अथर्ववेद में सभा समिति के उल्लेख हैं। ऐतरेय ब्राह्मण, पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र, महाभारत और अशोक स्तम्भों, जैन पाठ्यों में उत्तर वैदिक काल के गणतंत्रों के उल्लेख हैं।'

सभा सभ्यों से ही बनती है। ऋग्वेद (ऋ 6.28.6) कहता है, 'पहले हम घर को भद्र बनाएँ-भद्रं गृहं कृणुथ, वाणी भद्र बनाएँ-भद्रवाचो, सभा में भद्र आचरण हो-उच्यते सभासु।' लेकिन आज निजी जीवन में अपराध है। मानसतंत्र में क्रोध और तनाव है, ऐसे माननीयों से सभा में अमृत घट लुढ़काने की उम्मीदें करना व्यर्थ है। अथर्ववेद (8.10) में सभ्यता और सामाजिक संस्थाओं के विकास का प्रीतिकर वर्णन है, 'अराजक से उत्क्रान्ति हुई, गार्हपत्य (परिवार) आया। गार्हपत्य से आहवनीय (आह्वान से जनसंगठन) फिर दक्षिणाग्नि (योग्य, अग्रणी) और इसके बाद सभा समिति का विकास हुआ।' अथर्वा कहते हैं, 'जो यह जानता है वह सभा का सभ्य बनता है।' सभ्य सभा और सभ्य सभासदों (सभ्य सभा में पाहि ये च सभ्याः सभासद) की प्रार्थना हजारों बरस प्राचीन अथर्ववेद में भी है।

भारत के संविधान निमार्ताओं ने गहन विचार-विमर्श के बाद ब्रिटिश तर्ज की संसदीय प्रणाली अपनाई। भारत के लिए संसदीय पद्धति का कोई विकल्प नहीं था और न है। भारत का लोकजीवन सनातन काल से संसदीय है। तर्क-प्रतितर्क विचार-विमर्श यहाँ के जन-जन की जीवन शैली है। संसद भारत के कोटि-कोटि लोगों की जीवन स्पंदन है। आमजनों के हर्ष-विषाद, अभाव, प्रभाव और दुष्प्रभाव, राग, द्वेष, रोष की अभिव्यक्ति का केन्द्र है। संसद देशकाल का मुख है। सनातन-अधुनातन का मिलन-क्षितिज है। विभिन्न भाषा-भाषी, मत-मजहब आस्था के लोग यहाँ एक जन, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के रूप में समवेत होते हैं।

जनप्रतिनिधि के नाते वे अपने-अपने क्षेत्रों के दुख-सुख के प्रवक्ता हैं और एकजुट एकात्म भाव से राष्ट्र के गति नियंता। इसीलिए वे मान्यवर हैं, इसी वजह से उन्हें विशेषाधिकार है। उनके हावभाव, रूपरंग से राष्ट्र को अभिव्यक्ति मिलती है। डेढ़ अरब से अधिक भारतजन अपने भविष्य के लिए संसद की तरफ टकटकी लगाए देखते हैं लेकिन संसद उन्हें निराश करती है, हताश करती है, राजनीति के प्रति घृणाभाव देती है।

ये अठारहवीं लोकसभा है। इसके दृश्य लोकतंत्र के लिए डरावने हैं। एक-एक घटना का विवेचन और विश्लेषण इस छोटे से आलेख में रख पाना असंभव है। जान पड़ता है कि सदस्यों के पास अपनी भाषा के मर्यादित शब्दों का अभाव हो गया है। सदस्य अपनी बात चिल्ला कर ही कहते हैं। संसद के भीतर अनुशासन बनाए रखने की समस्या बड़ी है। अध्यक्ष नियंत्रण की कोशिश करते हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिलती। संसद के परिसर में भी मर्यादा का संकट है। संसदीय पद्धति के अनुसार पूरे परिसर में अध्यक्ष का नियंत्रण रहता है। सदस्यों ने परिसर का दुरुपयोग कभी नहीं किया लेकिन बीते शुक्रवार को परिसर में जो नौटंकी हुई, उससे सारी दुनिया में देश की बदनामी हुई है। माननीय सदस्यों ने श्रीराम जन्मभूमि के वर्तमान विवाद का स्वांग बनाया है। करोड़ों भारतवासियों की आस्था पर सीधे हमला बोला। संत परंपरा का अपमान किया। एक सांसद ने साधु का वेश बना कर दान लेने और लेकर भाग जाने का नाटक किया। अयोध्या से सांसद ने भी इस ड्रामे में हिस्सा लिया। उन्होंने साधुवेश वाले कथित चोर को दौड़ाया। इसके पहले अनेक सांसदों ने दान देने का नाटक किया। संसद और संसदीय शिष्टाचार की गरिमा तार-तार हो गई।

राष्ट्र स्तब्ध और सन्न है। संविधान निमार्ताओं ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि हमारे सांसद ही भारतीय संस्कृति और परम्परा का अपमान करेंगे। संविधान की मुख्य धारा सांस्कृतिक है। भारतीय संस्कृति एक सतत संगीत है। कह सकते हैं एक वीणा। वीणा के तार संघर्षण से बजते हैं। स्वर से स्वर नहीं आते। बांसुरी में स्वर से स्वर निकलते हैं। तब संगीत आता है। वीणा वाद्य यंत्र है। यहाँ संघर्षण और छेड़खानी ही संगीत देती है। भारतीय संस्कृति एक वीणा है। भारत ने इसीलिए ज्ञान, वाणी और विद्या की देवी सरस्वती के हाथ में वीणा पकड़ाई। वीणा प्रतीक है संघर्षन में संगीत की खोज का। सतत् खोजी, सदा आनन्द अभीप्सु सनातन तार्किक, निरंतर लोकतंत्रीय-भारत की यही प्रकृति संस्कृति कहलाती है।

ध्यान रहे व्यक्ति की तरह देश के भी वैशिष्ट्य होते हैं। व्यक्ति के वैशिष्ट्य व्यक्ति का व्यक्तित्व बनते हैं। राष्ट्र के वैशिष्ट्य राष्ट्र का राष्ट्रीयत्व बनते हैं। भारत का वैशिष्ट्य भारत की यही सनातन संस्कृति है। इसीलिए भारतीय राष्ट्र का प्राण संस्कृति है। संविधान की पहली प्रति में सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। यहां भारतीय संस्कृति को सुदृढ़ करने वाले तमाम चित्र हैं। श्रीराम के चित्र उल्लेखनीय हैं। इसी संविधान की शपथ लेकर चुनाव लड़ने वाले माननीय सदस्यों ने श्रीराम की मर्यादा और संसद का अपमान किया है। नेता विरोधी दल सम्माननीय आदर्श संवैधानिक दायित्व होता है। संसदीय व्यवस्था में नेता विरोधी दल प्रतीक्षारत सरकार का मुखिया होता है। संसद की ताजा नौटंकी में उनका भी सम्मिलित होना बहुत त्रासद है। भारत के मन को आहत करने वाला है।

वैसे तो इस घटना ने अनेक प्रश्न उठाए हैं, लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि क्या भारतीय धर्म आस्था संस्कृति और समूची भारतीय परंपरा को अपमानित करना संसदीय विशेषाधिकार है। क्या संसद के परिसर में ऐसी आपराधिक घटनाएं रोकी नहीं जा सकतीं? यह संसदीय गरिमा को भी चोट पहुंचाने वाला है। यह संसद के विशेषाधिकार का अवमान है। इस स्वांग पर विशेषाधिकार हनन का प्रश्न उठाया जाना आवश्यक है।

संसद के सदस्य माननीय होते हैं। उनसे संविधान के सामान्य ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उनसे संसदीय प्रक्रिया की जानकारी की अपेक्षा स्वाभाविक ही है। संविधान सभा के समापन भाषण में सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था कि, 'सदस्यों के लिए कोई न्यूनतम शिक्षा का विचार हमलोग नहीं कर पाए।' लोकसभा के 18 चुनाव हो चुके हैं। शिक्षित सदस्यों की संख्या बढ़ी है लेकिन संसदीय मयार्दा और गरिमा घटी है। वे भूल जाते हैं कि संसद के सदस्य होने के कारण उनको सम्मान किया जाता है। जिस संसद की सदस्यता के कारण उनका सम्मान और प्राधिकार बढ़ता है, वे उसी संसद की मयार्दा, गरिमा और महिमा को तार-तार करने में संकोच नहीं करते। वे संसद और परम्परा को अपमानित करने के बाद विजेता की मुद्रा में रहते हैं। प्रधानमंत्री संसदीय सदन का नेता होता है। उसे भी गलियाँ दी जाती हैं। संविधान का मजाक बनाया जाता है। सदस्यों को संसद की गरिमा तार-तार किए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भारत के करोड़ों लोगों की आस्था को अपमानित करने का प्रश्न बड़ा है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पुस्तक समीक्षा : शोध विद्यार्थियों के लिए आपातकाल का सन्दर्भ ग्रन्थ

प्रो. राजकुमार भाटिया

1975 में भारत में लागू किए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ व अनुभवी पत्रकार अजय सेतिया द्वारा लिखित और सुप्रसिद्ध प्रभात प्रकाशन की ओर से प्रकाशित 240 पृष्ठों की पुस्तक 'आपातकालः आन्दोलन और विश्वासघात की अंतर्कथा' भरपूर सामग्री और तथ्यों से लैस है। लेखक, जो आपातकाल के पूर्व एक युवा राजनीतिक कार्यकर्ता थे और जिन्हें आपातकाल में बंदी भी बनना पड़ा, उन्होंने आपातकाल संबंधी साहित्य के अध्ययन एवं अपनी प्रत्यक्ष जानकारियों के आधार पर एक समृद्ध पुस्तक तैयार की है। वैसे तो आपातकाल संबंधी अनेक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं, फिर भी संभवतः इस पुस्तक में जिज्ञासुओं को नया कुछ जानने का अवसर मिलेगा। आपातकाल से जिनका गहरा नाता रहा और जो स्वयं आपातकाल के संबंध में शोध आधारित नई पुस्तकें लिख रहे हैं, ऐसे वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने पुस्तक के प्राक्कथन में लिखा है-'इमरजेंसी पर पुस्तकों की तो कोई कमी नहीं हैं। फिर भी यह पुस्तक इसलिए बहुत उपयोगी है क्योंकि ज्यादातर पुस्तकें ऐसी हैं, जो इमरजेंसी के संदर्भ पर ध्यान नहीं देतीं। अजय सेतिया की यह पुस्तक पाठकों को उस दौर में चित्रवत पहुँचाती है।'

पुस्तक की प्रासंगिकता के बारे में लेखक ने दो वजहें बताई हैं। वे लिखते हैं–'दूसरी वजह पहली वाली वजह से भी ज्यादा गंभीर है। आपातकाल की पचासवीं सालगिरह पर मार्क्सवादी कम्युनिस्टों और समाजवादियों ने आपातकाल के दौरान घटी घटनाओं को इतना विकृत करने का प्रयास किया कि सच्चाई का दस्तावेज सामने लाना जरूरी हो गया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने आपातकाल का विरोध जरूर किया था लेकिन आपातकाल के खिलाफ सत्याग्रह या भूमिगत आंदोलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी, जबकि समाजवादियों की आंदोलन और लोक संघर्ष समिति में सक्रिय भागीदारी थी। लेकिन ज्यादातर समाजवादी शुरू के दिनों में ही गिरफ्तार हो गए थे। उनका समाज में ढांचा इतना कमजोर था कि सत्याग्रह में उनकी भूमिका नगण्य थी, जिसके आँकड़े भी इस पुस्तक में दिए गए हैं। भूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह मोटे तौर पर जनसंघ, विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर ही निर्भर था। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर के लोकतंत्र सेनानियों और जिन राज्यों में उन्हें पेंशन मिलती है, उनकी सूची देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आपातकाल के खिलाफ आंदोलन किसने संचालित किया था।'

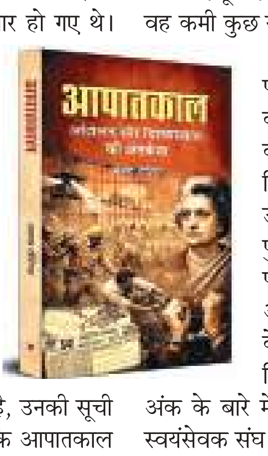

पुस्तक में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि आपातकाल के दौरान विभिन्न संगठनों की वास्तविक भूमिका क्या थी तथा किन संगठनों ने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए सबसे अधिक सक्रियता से कार्य किया। उन्होंने अनेक दस्तावेजों, संस्मरणों, सरकारी अभिलेखों तथा समकालीन समाचारों के आधार पर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। आपातकाल से पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारी होने के नाते, आपातकाल में पूरे समय जेलबंदी के नाते व आपातकाल के तुरंत पश्चात के घटनाक्रम का भी स्वयं साक्षी था। इसलिए मैं यह अनुभव करता रहा हूँ कि ऐसी पुस्तकों की महती आवश्यकता थी, जो आपातकाल के विरुद्ध किए गए संघर्ष में 'संघ परिवार' की भूमिका को सुसंगत रूप से प्रस्तुत करे। जिसकी अब तक लिखी गई पुस्तकों में कमी महसूस हो रही थी। अजय सेतिया की पुस्तक से वह कमी कुछ सीमा तक दूर हुई है।

वैसे तो लेखक ने आपातकाल से पूर्व और आपातकाल के बाद के दृश्यों को समेटते हुए 19 माह के आपातकाल का सजीव चित्रण व विश्लेषण प्रस्तुत किया है, पर जैसा कि 'दूसरी वजह' में उनकी मंशा थी। 36 अध्यायों की पुस्तक में उन्होंने 8 अध्याय 'संघ परिवार' के संदर्भ में लिखे हैं। दो अध्यायों में उन्होंने 'मदरलैंड' अखबार के संपादक केआर मलकानी, उनकी गिरफ्तारी तथा अखबार के 26 जून के अंक के बारे में लिखा है तो दो अध्यायों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह में भूमिका को उजागर किया है। दो अध्यायों में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका के बारे में लिखा है। परिषद के आंदोलन, उसके भूमिगत कार्य तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया है।

संघ परिवार से जुड़े उनके दो अध्याय अति विशेष हैं। एक है बाला साहब मधुकर दत्तात्रेय की चिठ्ठियों पर बवंडर और दूसरा- संघ जनसंघ और जयप्रकाश नारायण। बाला साहब देवरस आपातकाल के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक थे, जिन्हें बंदी बना लिया गया था। उन्होंने कारागार में रहते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखे थे, जो अब इतिहास की धरोहर हैं और जिन पर कम्युनिस्टों और समाजवादियों द्वारा निर्मित बवंडर का लेखक ने 18 पृष्ठों में प्रतिवाद किया है। जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल से पूर्व 15-16 माह तक बिहार आन्दोलन, जिसे जयप्रकाश आन्दोलन भी कहा गया था, का नेतृत्व किया था। उनकी पुरानी पृष्ठभूमि संघ परिवार के अनुकूल नहीं थी पर आन्दोलन के कारण वे संघ परिवार (संघ, जनसंघ और विद्यार्थी परिषद्) के साथ खड़े हो गए थे। जयप्रकाश जी के संघ और जनसंघ के निकट आने की कहानी लेखक ने एक अध्याय में वर्णित की है।

पुस्तक के अंतिम अध्यायों में आपातकाल की समाप्ति की ओर जाने वाले घटनाक्रम का वर्णन आया है। उसी में एक अध्याय है-'चरण सिंह का निर्णायक विश्वासघात', जिसमें आपातकाल विरोधी सफल आंदोलन की उपलब्धियों पर पानी फेर दिए जाने की कहानी है। आपातकाल भारत में आपातकाल लगाना जितनी बड़ी त्रासदी थी, उतनी ही पीड़ादायक कहानी थी उसके विरुद्ध हुए संघर्ष और आंदोलन की सफलता को मटियामेट करने वाली स्वार्थ और महत्त्वाकांक्षा से युक्त राजनीति, जिसे लेखक ने 'निर्णायक विश्वासघात' कहा है। कुल मिलाकर यह पुस्तक आपातकाल के इतिहास, उसके राजनीतिक परिप्रेक्ष्य तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को समझने के इच्छुक पाठकों के लिए एक उपयोगी और संदर्भग्रंथ के रूप में सामने आती है। विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए यह पुस्तक उस दौर की घटनाओं को समझने तथा उनसे सीख लेने का एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो सकती है। पुस्तक की कीमत 500 रूपए मात्र है, जो रियायती कीमत पर इमेजोन, फ्लिप्कार्ट और प्रभात प्रकाशन पर उपलब्ध है।

(समीक्षक, आपातकाल के समय खुद जेल बंदी थे।)

आज का राशिफल

मेष- रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृष- कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मिथुन- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे।

कर्क- परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यो का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

सिंह- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

कन्या- शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी।

तुला- कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी।

वृश्चिक- स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

धनु- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है।

मकर- धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

कुंभ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

मीन- धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

योग व संगठन दोनों को मिलेगी नई दिशा, पतंजलि योग आश्रम की बैठक में विकास के कई अहम निर्णय

हजारीबाग/दारू। पतंजलि यमुनी यशोदा नारायण योग आश्रम, कोंय (पंचायत जिनगा, प्रखंड दारू) में रविवार को आयोजित बैठक में संस्था के विकास, योग के नियमित संचालन और जनसहभागिता बढ़ाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि आश्रम परिसर में प्रतिदिन प्रातः 5:00 बजे से 6:00 बजे तक नियमित योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही संस्था के उत्थान एवं विस्तार के लिए व्यापक परिचर्चा कर भविष्य की कार्ययोजना बनाई गई। बैठक में मुख्य संरक्षक दिनेश खंडेलवाल, प्रधान संरक्षक बटेश्वर मेहता, भवन निर्माण समिति प्रभारी भोला सिंह, नारायण, प्रबंधक सह योगाचार्य सत्येंद्र कुमार दीपक, कोषाध्यक्ष रामधानी प्रसाद कुशवाहा, शिक्षा प्रभारी नंदकिशोर सिंह, मीडिया प्रभारी सुकेश कुमार सिंह, युवा योग प्रभारी अनिल कुमार तथा युवा संगठन प्रभारी रंजीत कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संस्था को मजबूत बनाने, योग के प्रचार-प्रसार और सामाजिक गतिविधियों को गति देने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर सहमति बनी। इसके साथ ही धनरोपनी कार्यक्रम में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया गया। मीडिया प्रभारी सुकेश कुमार सिंह ने बताया कि संस्था समाज में योग, स्वास्थ्य और सेवा की भावना को और अधिक मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।

लव-कुश के आदर्शों पर चलकर समाज को आगे बढ़ाने का आह्वान, कोइरी विकास मंच ने मनाई जयंती

हजारीबाग। चानो स्थित मैक्स हॉस्पिटल परिसर में कोइरी विकास मंच की ओर से लव-कुश जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के जिला अध्यक्ष सूरज कुशवाहा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ लव-कुश के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष सूरज कुशवाहा ने कहा कि लव और कुश के व्यक्तित्व निर्माण में महर्षि वाल्मीकि का महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने दोनों को शिक्षा, ज्ञान और विभिन्न कलाओं में पारंगत बनाया, जिसके कारण वे आदर्श, विद्वान और वीर बने। जिला सचिव नारायण प्रसाद ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने लव और कुश को रामायण का भी ज्ञान कराया। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि भगवान श्रीराम उनके पिता हैं। उन्होंने युवाओं से लव-कुश के आदर्शों और संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश, विनोद प्रसाद, शैलेंद्र कुमार कुशवाहा, देवदत्त प्रसाद, लोकनाथ प्रसाद, रंजन कुमार, अवधेश प्रसाद, लक्ष्मण कुमार, सुभाष प्रसाद, सीमा सिंह, रेखा देवी, सुषमा देवी, शोभा देवी सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वज्रपात की चपेट में आने से पांच वर्षीय मासूम बच्ची की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के गुंडरो गांव में बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट में आने से पांच वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, गुंडरो गांव निवासी प्रकाश सिंह की पांच वर्षीय पुत्री माही कुमारी अपने घर की छत पर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक तेज बारिश के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल बगोदर के पाटलावती अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया। हालांकि अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर विष्णुगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी है।

तेज रफ्तार बाइक का कहर: सड़क पार कर रहे 80 वर्षीय वृद्ध को मारी टक्कर, हालत गंभीर

बरही। बरही थाना क्षेत्र के धनबाद रोड स्थित बाबा मेडिकल स्टोर के समीप रविवार को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से 80 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान कोनरा निवासी डेगन सिंह (80), पिता स्वर्गीय देवधारी सिंह, के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, डेगन सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल वृद्ध को इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने उनका प्राथमिक उपचार किया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, जहां उनकी हालत को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही बरही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन माह से बंद पड़ी कटकमसांडी अस्पताल की एंबुलेंस, संकट में मरीजों की जिंदगी

आपात स्थिति में निजी वाहनों का सहारा लेने को मजबूर लोग, 108 एंबुलेंस पहुंचने में लग रहे दो से ढाई घंटे

अरविंद यादव

कटकमसांडी । कटकमसांडी प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस पिछले तीन माह से खराब होकर अस्पताल परिसर में खड़ी है। गंभीर मरीजों को समय पर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने वाली यह जीवनरक्षक सुविधा बंद रहने से क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार मैकेनिक उपलब्ध नहीं होने और नए टायर की व्यवस्था नहीं होने के कारण एंबुलेंस अब तक चालू नहीं हो सकी है। एंबुलेंस बंद रहने से सड़क दुर्घटना, प्रसव पीड़ा, हृदयाघात, ब्रेन स्ट्रोक सहित अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों को जिला अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में मरीजों के परिजन निजी वाहनों से इलाज के लिए ले जाने को मजबूर हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है।

क्षेत्र के लोग 108 एंबुलेंस सेवा पर निर्भर हैं, लेकिन हजारीबाग या पदमा से एंबुलेंस आने में करीब दो से ढाई घंटे का समय लग जाता है। इस दौरान कई गंभीर मरीजों की हालत और बिगड़ जाती है, जिससे उनकी जान पर खतरा मंडराने लगता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एंबुलेंस खराब होने की सूचना कई बार स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि विभागीय उदासीनता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने उपायुक्त, सिविल सर्जन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि कटकमसांडी अस्पताल की एंबुलेंस की तत्काल मरम्मत कर उसे फिर से सेवा में लगाया जाए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर इलाज मिल सके। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती और एंबुलेंस जैसी बुनियादी सुविधा हर हाल में उपलब्ध रहनी चाहिए।

जनजातीय गौरव उत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे राज्यसभा सांसद समीर उरांव

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। 17 से 24 अगस्त तक हजारीबाग में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव उत्सव के संबंध में राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें कार्यक्रम का औपचारिक निमंत्रण दिया गया। इस दौरान उन्हें आयोजन की रूपरेखा और विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

समीर उरांव ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे जनजातीय समाज के लिए प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं के कारण 17 अगस्त को होने वाले उद्घाटन समारोह में शामिल होने में असमर्थता जताई, लेकिन 24 अगस्त को आयोजित समापन समारोह में दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की सहमति प्रदान की।

आयोजकों ने इसे झारखंडवासियों, जनजातीय समाज तथा आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए गौरव और हर्ष का विषय बताया।

यह शिष्टाचार भेंट बिरसा मुंडा जनकल्याण प्रचार अभियान के राष्ट्रीय अभियान प्रमुख राजमनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर सावंत तथा हजारीबाग जिला अध्यक्ष बलदेव के नेतृत्व में संपन्न हुई।

हजारीबाग में हम (सेक्युलर) का शक्ति प्रदर्शन, संगठन विस्तार के लिए नेताओं ने भरी हुंकार

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय महासचिव एवं झारखंड प्रभारी सुनील कुमार चौबे तथा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष हरे कृष्ण महाराज का रविवार को हजारीबाग परिसदन में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राजकुमार (बब्लू) कुशवाहा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। इस दौरान संगठन विस्तार, आगामी रणनीति और जनसरोकार के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय महासचिव सुनील कुमार चौबे ने कहा कि केंद्रीय एमएसएमई मंत्री एवं पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन विस्तार अभियान को गति देने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष हरे कृष्ण महाराज ने कहा कि झारखंड में पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग पार्टी की नीति, सिद्धांत और सामाजिक न्याय की विचारधारा से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। आने वाले दिनों में गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत किया जाएगा। जिला अध्यक्ष राजकुमार (बब्लू) कुशवाहा ने कहा कि पूरे हजारीबाग जिले में संगठन विस्तार का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन के नेतृत्व में पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है और आने वाला समय हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) का होगा। प्रदेश संगठन सचिव शमीम अख्तर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन के निर्देशन में झारखंड में सुनियोजित रणनीति के तहत संगठन विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी आने वाले समय में झारखंड की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव अनिल सिंह, प्रदेश सचिव अंकित पांडे, मुस्ताक खान, हिस्बातुल्लाह अंसारी, तौकीर आलम, मोहम्मद बिट्टू, दानिश अख्तर, इम्तियाज, संतोष, रविन्द्र सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विभावि में प्रधानमंत्री के नशा मुक्ति वेबकास्ट का लाइव प्रसारण, विद्यार्थियों ने लिया विकसित भारत का संकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में रविवार को प्रधानमंत्री के वेबकास्ट कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का विषय नशा मुक्त युवा और विकसित भारत था। प्रधानमंत्री के स्क्रीन पर आते ही विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश के युवा एक महान और महत्वपूर्ण संकल्प लेकर इस नशा मुक्ति अभियान से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का मन और तन से स्वस्थ रहना आवश्यक है और इसके लिए उन्हें मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहना होगा।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को अमृत पीढ़ी बताते हुए कहा कि भारत के युवा अपनी ऊर्जा और कल्पनाशक्ति के बल पर वर्ष 2047 तक देश को विकास के शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशा किसी व्यक्ति के सपनों की समय से पहले मृत्यु का कारण बनता है, यह मां की मुस्कान छीन लेता है, पिता के सपनों को तोड़ देता है और राष्ट्र की शक्ति को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमेशा नशे को बुराई की नजर से देखा है और इस संदर्भ में गुरु ग्रंथ साहिब की पंक्तियों का उल्लेख भी किया। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि नशा मुक्ति अभियान में केंद्र और राज्य सरकारें मिशन मोड में कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री से पहले भारत सरकार के युवा मामले मंत्री मनसुख मांडवीया ने भी युवाओं को नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वश्वविद्यालय के छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार, कुलसचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, नशा मुक्ति नोडल विभाग।

सीएचसी से दवा बाहर ले जाने के मामले में स्वास्थ्य विभाग सख्त, छह माह का सीसीटीवी फुटेज तलब

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से कथित रूप से अवैध तरीके से दवा बाहर ले जाने के मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग ने जांच तेज कर दी है। हजारीबाग के सिविल सर्जन के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम बड़कागांव सीएचसी पहुंची और पूरे मामले की गहन जांच करते हुए संबंधित कर्मियों एवं आरोपी से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए।

जांच टीम में क्षेत्रीय पदाधिकारी डॉ. सुभाष प्रसाद, डॉ. राहुल कुमार तथा सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी शामिल थे। टीम ने सुरक्षा प्रहरी मो. एजाज, आरोपी यमुना प्रसाद, स्टोरकीपर गीता देवी और रंजीत ठाकुर के बयान कलमबद्ध किए।

पूछताछ के दौरान यमुना प्रसाद ने बताया कि उनके थैले में दवा के साथ कुछ राशन का सामान भी था। उनका दावा है कि दवा उन्होंने झारखंड मेडिकल से खरीदी थी और वह अस्पताल में एक प्रमाण पत्र जमा कराने आए थे। इसी दौरान सुरक्षा प्रहरी ने जांच के लिए उनका बैग रोक लिया।

जांच टीम ने बड़कागांव थाना में दर्ज प्राथमिकी की प्रति, अस्पताल परिसर के पिछले छह माह का सीसीटीवी फुटेज तथा मामले से जुड़े सभी स्वास्थ्य कर्मियों से लिखित स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी दस्तावेजों और बयानों की समीक्षा के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार सहित अस्पताल के अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद रहे। डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि सभी पक्षों से पूछताछ पूरी कर ली गई है और जांच प्रतिवेदन सिविल सर्जन को सौंपा जाएगा, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

बच्चों के बीच पहुंचे बीडीओ जितेंद्र मंडल, खिचड़ी खाकर और बैडमिंटन खेलकर दिया शिक्षा व खेल का प्रेरक संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। राज्य सरकार के 'एक दिन स्कूल के बच्चों के साथ' कार्यक्रम के तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल शनिवार को प्रखंड के सुदूरवर्ती गरसुला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेलकूद को बढ़ावा देने पर जोर दिया। विद्यालय पहुंचने पर बीडीओ ने सबसे पहले मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया तथा बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर खिचड़ी का भोजन किया। बच्चों के साथ सहज माहौल में भोजन करने से छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ बच्चों के साथ बैडमिंटन भी खेले। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद उन्होंने कक्षा संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति और शिक्षकों के साथ बैठक कर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाया जाए, जिससे हर बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आए और बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सके।

कटकमसांडी में महिला किसानों को सतत कृषि का प्रशिक्षण, जैविक खेती अपनाने का लिया संकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

कटकमसांडी। लीड्स ऑगेर्नाइजेशन द्वारा संचालित राइज अप टुगेदर परियोजना के तहत 31 जुलाई से 2 अगस्त तक कटकमसांडी प्रखंड स्थित लीड्स प्रशिक्षण केंद्र में महिला किसानों के लिए तीन दिवसीय सतत कृषि पद्धति प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में गौसी, हरहद और लखनू गांव की 30 महिला किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं की कृषि क्षमता का विकास करना, जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देना, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा कृषि आधारित आय में वृद्धि करना था। प्रशिक्षण का संचालन परियोजना समन्वयक प्रेमलता बोडरा ने किया। रांची से आए कृषि विशेषज्ञ महेंद्र कुमार ने जैविक खेती, मिट्टी के स्वास्थ्य, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों और बाजार से जुड़ाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों को जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र तैयार करने, सब्जी उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन, जैविक कीटनाशक निर्माण तथा पोषण वाटिका विकसित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

समापन अवसर पर महिला किसानों के बीच बैंगन, टमाटर, मिर्च, भिंडी, लौकी, खीरा सहित विभिन्न पत्तेदार सब्जियों के बीज एवं पौधों का वितरण किया गया। प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं ने अपने खेतों में सतत एवं जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।

समारोह झीलनगर में एनसीसी कैडेटों ने निकाली पर्यावरण रैली, कल्पतरु, पीपल और कदंब के पौधों से हरित हुआ परिसर

'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत रविवार को झीलनगर स्थित इंदिरा गर्ल्स स्कूल के पीछे 22 झारखंड बटालियन एनसीसी और 'मेरी धरती मेरी जिम्मेवारी' समूह के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता रैली और संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कल्पतरु, पीपल और कदंब के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत कंपनी कमांडर कैप्टन (डॉ.) एस. के. पाण्डेय के नेतृत्व में एनसीसी कैडेटों की पर्यावरण जागरूकता रैली से हुई। रैली में 'मेरी धरती मेरी जिम्मेवारी' समूह के मुख्य संयोजक डॉ. मनोज कुमार सिंह (बरगद बाबा) सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। कैडेटों ने वृक्ष सदा करते कल्याण, वृक्ष में बसा है भगवान और नन्हे पौधे का अरमान, बनने दो मुझे वृक्ष महान₹ जैसे नारों के साथ लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का संदेश दिया। पौधरोपण समारोह में मुख्य अतिथि कर्नल आर. के. रवि ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य केवल अनुशासित युवा तैयार करना नहीं, बल्कि राष्ट्र और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य की नींव बनेगा।

महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि हरित और स्वच्छ हजारीबाग का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक नागरिक वृक्षारोपण को अपना दायित्व समझे। उन्होंने एनसीसी कैडेटों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार के अधीक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सुमन ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के मौन रक्षक हैं। यदि युवा पीढ़ी वृक्ष संरक्षण को अपना संस्कार बना ले, तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य स्वतः पूरा हो जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन 'मेरी धरती मेरी जिम्मेवारी' समूह के मुख्य संयोजक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है।

कार्यक्रम की विशेषता रही कि अतिथियों और नागरिकों ने भारतीय परंपरा में लोककल्याण और समृद्धि के प्रतीक माने जाने वाले कल्पतरु के साथ पीपल और कदंब के पौधों का रोपण किया। वैदिक विधि-विधान से संपन्न पौधरोपण के दौरान अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त का सामूहिक पाठ किया गया और सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर 'मेरी धरती मेरी जिम्मेवारी' समूह के सदस्य, शहर के पर्यावरण प्रेमी और 22 झारखंड बटालियन एनसीसी के बड़ी संख्या में कैडेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ₹एक वृक्ष माँ के नाम₹ अभियान को जन-आंदोलन बनाने और प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

इचाक में कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ का संगठन विस्तार, गोपाल पांडेय बने प्रखंड अध्यक्ष

झारखंड दर्शन संवाददाता

इचाक। इचाक प्रखंड के मंगुरा गांव स्थित देवी मंडप परिसर में कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई।

बैठक में संगठन के विस्तार और समाज को मजबूत एवं संगठित बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इसके बाद सर्वसम्मति से इचाक प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। गोपाल पांडेय को प्रखंड अध्यक्ष तथा गणेश पांडेय को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं योगेंद्र मिश्रा, सत्येंद्र पांडेय और कृष्णा पांडेय को उपाध्यक्ष बनाया गया। कार्यसमिति सदस्य के रूप में अनिल पांडेय, परमानंद पांडेय, कैलाश पांडेय, मनीष मिश्रा, भोला पांडेय, पुरुषोत्तम पांडेय, पंकज पांडेय एवं कृष्णा पांडेय का चयन किया गया।

बैठक को प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय, प्रदेश प्रवक्ता नंदकिशोर पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय पांडेय, अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील पांडेय तथा प्रदेश प्रभारी देवशरण पांडेय ने संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने, समाज में एकजुटता बनाए रखने और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

हस्तनिर्मित राखियों में झलका देशभक्ति का भाव, डाक विभाग की अनूठी पहल

देवघर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भारतीय डाक विभाग ने सन रेज हाई स्कूल, पालोजोरी में राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक हस्तनिर्मित राखियां तैयार कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, रक्षाबंधन के महत्व तथा हस्तनिर्मित राखियों की परंपरा से जोड़ना और उनमें देश के सैनिकों के प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना विकसित करना था। झारखंड पोस्टल सर्किल के अंतर्गत देवघर डिवीजन सहित पूरे राज्य में आयोजित इस अभियान से अब तक लगभग एक लाख छात्र-छात्राएं जुड़ चुके हैं। डाक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाजार में उपलब्ध राखियों की तुलना में अपने हाथों से बनाई गई राखी का भावनात्मक महत्व कहीं अधिक होता है। इसी सोच को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि विद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार की गई राखियों को भारतीय डाक विभाग के माध्यम से रांची स्थित आर्मी कैंप भेजा जाएगा। इन राखियों के जरिए सीमाओं पर तैनात जवानों तक बहनों का स्नेह, सम्मान और शुभकामनाएं पहुंचेंगी। प्रतियोगिता के दौरान इंस्पेक्टर ऑफ पोस्ट राहुल सिंह, राम प्रसाद पाल, विनय यादव, प्रशांत कुमार राय एवं सतीश पांडेय सहित कई अधिकारियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के निदेशक ओम प्रकाश सिंह और सचिव प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल बच्चों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक संवेदनशीलता और भारतीय संस्कारों को मजबूत करने का उत्कृष्ट माध्यम है। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय संस्कृति और देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने पाकुड़ के 29 वें सिविल सर्जन के रूप में संभाला कार्यभार

पाकुड़। जिले के स्वास्थ्य प्रशासन को नया नेतृत्व मिल गया है। शनिवार को डॉ० प्रवीण कुमार संथालिया ने जिले के 29वें सिविल सर्जन के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ० सुरेंद्र कुमार मिश्रा से पदभार प्राप्त कर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी संभाली। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ० संथालिया ने कहा कि जिले के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, पोषण, संचारी एवं गैर-संचारी रोगों की रोकथाम तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही, संवेदनशीलता और टीमवर्क को विशेष महत्व दिया जाएगा। सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं विभागीय अधिकारियों के समन्वित प्रयास से आमजन को बेहतर, भरोसेमंद और सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों से जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। इस अवसर पर निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ० सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने उन्हें कार्यभार सौंपते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं तथा स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी साझा की। समारोह में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ० के० के० सिंह, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ० एस० के० झा, दंत चिकित्सक डॉ० आर० के० सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंधक, सलाहकार, समन्वयक, स्थापना शाखा के प्रधान लिपिक तथा सिविल सर्जन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रावणी मेला में डबल डेकर वाहनों के प्रवेश पर रोक, डीटीओ ने चलाया विशेष अभियान

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए देवघर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर जिला सीमा के भीतर डबल डेकर मालवाहक एवं अन्य ऐसे वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। निर्देश के अनुपालन में जिला परिवहन पदाधिकारी ने विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक डबल डेकर वाहन से असुरक्षित तरीके से यात्रा कर रहे कांवरियों को वाहन की छत से नीचे उतारकर सुरक्षित रूप से वाहन के अंदर बैठाया गया। साथ ही श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी परिस्थिति में वाहनों की छत या असुरक्षित स्थानों पर यात्रा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने सभी वाहन चालकों से निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ नियंत्रण के लिए इंटर स्टेट बस टर्मिनल के अतिरिक्त पांच अस्थायी पार्किंग स्थल भी विकसित किए हैं। इनमें कोठिया, परित्राण, सरसा, भलुवा और हथगढ़ पार्किंग स्थल शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं तथा वाहनों के व्यवस्थित पड़ाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित ट्रैफिक रूट और सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा सुरक्षित एवं सफल श्रावणी मेला संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

पहली सोमवारी से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन, उपायुक्त ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला-2026 की पहली सोमवारी से पूर्व श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम जलार्पण और बेहतर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए रविवार तड़के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर एवं संपूर्ण मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न रूटों, पुलिस चौकियों, स्वास्थ्य केंद्रों, सहायता केंद्रों तथा कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बाबा मंदिर परिसर, क्यू कॉम्प्लेक्स, शिवराम झा चौक, तिवारी चौक, नेहरू पार्क तथा बीएड कॉलेज मार्ग का भ्रमण कर कांवरियों की कतार व्यवस्था की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा भीड़ प्रबंधन पर लगातार निगरानी रखी जाए। बाद में उन्होंने मंदिर स्थित कंट्रोल रूम पहुंचकर अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मेला क्षेत्र एवं जलार्पण कतार की लाइव मॉनिटरिंग का भी अवलोकन किया। उपायुक्त ने बाबा मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मियों को चौबीसों घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने जीवनरक्षक दवाओं, ऑक्सीजन सिलेंडर एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की। इसके साथ ही सूचना-सहायता केंद्र, मातृत्व विश्राम गृह तथा अमानत घर का निरीक्षण कर महिलाओं, बच्चों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर स्थापित पुलिस आउटपोस्ट का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेला की ड्यूटी केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सेवा का अवसर है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीना, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी सहित अनेक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पहली सोमवारी को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क, डीसी-एसपी ने अधिकारियों को किया ब्रीफ

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 की पहली सोमवारी के सफल एवं सुरक्षित संचालन को लेकर उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने बी.एड. कॉलेज परिसर में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों तथा बाहर से आए अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की। अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि पहली सोमवारी पर श्रद्धालुओं की संख्या सर्वाधिक रहती है। ऐसे में सभी अधिकारी विनम्रता, सेवाभाव और पूर्ण सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की कतार बिना किसी अनावश्यक अंतराल के लगातार आगे बढ़ती रहे, ताकि अधिक से अधिक कांवरियों को सुगमता से जलार्पण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु यहां से झारखंड की सकारात्मक छवि लेकर लौटें, यह सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने कहा कि मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारी अब स्थानीय परिस्थितियों से परिचित हैं। इसलिए क्यू मैनेजमेंट और ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में किसी प्रकार की परेशानी न हो और शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने बताया कि सभी ओपी एवं यातायात ओपी की जिम्मेदारी डीएसपी स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्र की निगरानी करेंगे। ब्रीफिंग के दौरान उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीणा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पहली सोमवारी को लेकर आवश्यक सावधानियों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

अपहरण कांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग सकुशल बरामद

पाकुड़। पाकुड़ पुलिस ने अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले की जानकारी महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई 2026 को अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के जमरी गांव से तीन लोगों द्वारा एक नाबालिग लड़की के अपहरण की सूचना डायल-112 के माध्यम से प्राप्त हुई थी। घटना के बाद पीड़िता के पिता लट्टू मरांडी ने अमड़ापाड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर थाना कांड संख्या 59/ 2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया।

यूरिया की कालाबाजारी रोकने के लिए जिलेभर में विशेष जांच अभियान शुरू

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। किसानों को निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से गोड्डा जिला प्रशासन ने जिलेभर में विशेष जांच अभियान शुरू किया है। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को उर्वरक दुकानों, गोदामों और भंडारण स्थलों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार पिछले वर्ष जून 2025 की तुलना में इस वर्ष यूरिया की बिक्री में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है।

निरीक्षण के दौरान ई-पॉस मशीन, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री पंजी, मूल्य सूची, ऑनलाइन स्टॉक, भंडारण व्यवस्था तथा क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता का तत्काल पता लगाया जा सके। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि जांच के दौरान कालाबाजारी, अवैध भंडारण, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री अथवा स्टॉक में गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित उर्वरक विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक आदेश तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने अधिकारियों से निष्पक्ष एवं नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही ई-पॉस मशीन के माध्यम से उर्वरक खरीदें तथा खरीद की रसीद अवश्य प्राप्त करें।

नालसा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विधिक जागरूकता अभियान आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुमका द्वारा व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने कहा कि न्याय तक समान पहुंच प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आर्थिक या सामाजिक स्थिति किसी भी व्यक्ति को न्याय से वंचित नहीं कर सकती। इसी उद्देश्य से नालसा द्वारा पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक परामर्श, अधिवक्ता की सुविधा, लोक अदालत, प्री-लिटिगेशन, मध्यस्थता तथा अन्य कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

इस अवसर पर नालसा की दस प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें महिलाओं और बच्चों के अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों का संरक्षण, दिव्यांगजनों के अधिकार, मानसिक बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों की सहायता, हिरासत में बंद व्यक्तियों के अधिकार, पीड़ित प्रतिकर योजना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के अधिकार, आपदा प्रभावित लोगों को कानूनी सहायता तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधान शामिल रहे। सचिव ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण केवल मुकदमों में सहायता प्रदान नहीं करता, बल्कि समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाकर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को भी प्रोत्साहित करता है। उन्होंने लोगों से किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में प्राधिकरण के फ्रंट ऑफिस, विधिक सहायता क्लीनिक अथवा पारा विधिक स्वयंसेवकों से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त करने की अपील की।

प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क कानूनी सहायता पाने का अधिकार : डालसा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार तथा सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर शनिवार को सीएम एक्सीलेंस प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय, गोड्डा में विधिक साक्षरता कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं नालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजीत कुमार ने नालसा की 'बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना-2024' की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को उसकी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। यह योजना कानून के साथ संघर्ष में आए बच्चों तथा देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को हर स्तर पर सक्षम एवं निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराती है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य पुलिस, न्यायालय एवं अन्य कानूनी संस्थाओं में बच्चों के लिए संवेदनशील और बाल-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। इसके तहत दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों को भी कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है। किशोर न्याय बोर्ड में बच्चों का प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाती है तथा बाल गृह, ऑब्जर्वेशन होम, स्पेशल होम एवं शेल्टर होम में रह रहे बच्चों की कानूनी स्थिति की नियमित निगरानी भी की जाती है। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति, पॉक्सो अधिनियम, प्रतिकर योजना तथा बच्चों के अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी जानकारी दी गई।

चोरी गया महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रेलर बरामद, वाहन चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए पुलिस ने चोरी गया महिंद्रा ट्रैक्टर एवं ट्रेलर बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में वाहन चोरी गिरोह से जुड़े पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि 21 जुलाई 2026 की रात महुआटीड गांव निवासी परमानंद साह का महिंद्रा ट्रैक्टर और ट्रेलर अज्ञात अपराधियों ने चालक के घर के समीप से चोरी कर लिया था। घटना के संबंध में सुंदरपहाड़ी थाना कांड संख्या- 20/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण किया तथा तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मानव आसूचना के आधार पर लगातार जांच जारी रखी।

गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गया ट्रैक्टर एवं ट्रेलर बरामद कर लिया। पूछताछ के बाद इस मामले में संचित कुमार उर्फ भोला, नवनीत कुमार राणा, जगेश पाल, आलोक कुमार पाल और प्रह्लाद गोराई को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस अन्य संभावित सदस्यों और वाहन चोरी गिरोह के नेटवर्क की भी जांच कर रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संपत्ति संबंधी अपराधों, विशेषकर वाहन चोरी के मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है।

चांदपुर विद्यालय में विद्यार्थियों को कराया गया रुचिकर मिष्ठान तिथि भोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

ठाकुरगंगटी। प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चांदपुर में शनिवार को राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार विद्यार्थियों के लिए रुचिकर मिष्ठान तिथि भोजन का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक लोबीन रवानी ने स्वयं उपस्थित सभी 71 विद्यार्थियों को मिष्ठान भोजन परोसकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रधानाध्यापक लोबीन रवानी ने बताया कि शिक्षा विभाग के निदेर्शों के अनुरूप समय-समय पर तिथि भोजन का आयोजन किया जाता है, ताकि बच्चों को पौष्टिक एवं रुचिकर भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसी क्रम में शनिवार को विद्यालय में नामांकित एवं उपस्थित सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान तिथि भोजन कराया गया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सरकार एवं विभाग द्वारा जारी सभी निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन किया जाता है तथा प्रत्येक कार्य अनुशासन एवं पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नियमित मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन तथा अन्य सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से संचालित किए जा रहे हैं। इसके बावजूद विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा है। प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त यहां कोई अन्य शिक्षक पदस्थापित नहीं है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय में अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है। कई वर्षों से इस मांग को शिक्षा विभाग के समक्ष रखा जा रहा है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है।

प्रेमचंद जयंती पर साहित्यिक विचार गोष्ठी, रचनाधर्मिता और सामाजिक सरोकारों पर हुई चर्चा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर स्थानीय इंडोर स्टेडियम में लोक मंच के तत्वावधान में साहित्यिक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व तथा हिंदी साहित्य में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष शिवकुमार भगत ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरामुल हसन आलम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन युवा साहित्यकार सुरजीत झा ने किया तथा विषय प्रवेश लोक मंच के सचिव सर्वजीत झा 'अन्तेवासी' ने प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित वर्ग की आवाज को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाएं आज भी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों का संदेश देती हैं। शिवकुमार भगत, डॉ० मौसम ठाकुर, अमित राय, संगीता कुमारी, पंकज झा एवं आकाश कुमार ने प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता और उनके रचनात्मक योगदान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कवि डॉ० ब्रह्मदेव कुमार एवं डॉ० स्मिता शिप्रा ने प्रेमचंद को समर्पित अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ कर साहित्यकार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने भी प्रेमचंद के आदर्शों को अपनाने और साहित्य के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी बैठक में संगठन विस्तार और बूथ सशक्तीकरण पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ० तनवीर आलम ने शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ० तनवीर आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ-बूथ तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुंचाना कार्यकताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ० आलम ने संगठनात्मक अनुशासन, आपसी समन्वय और टीम भावना को मजबूत संगठन की आधारशिला बताते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं सदस्यता अभियान में पूरी निष्ठा से भाग लेने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

सावन : प्रकृति, आस्था और शिवभक्ति का पावन संगम, शिवालयों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

गुमला। सावन का पवित्र माह प्रकृति, आस्था और भगवान शिव की आराधना का अद्भुत संगम माना जाता है। चारों ओर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा है। झारखंड का गुमला जिला अपने धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों के कारण विशेष पहचान रखता है। यहां अंजन धाम, टांगीनाथ धाम, बुढ़वा महादेव, देवकी धाम, वासुदेवकोना, सिसई के प्राचीन शिवलिंग तथा पालकोट का दशभुजी मंदिर सहित अनेक आस्था केंद्र श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। इसी प्रकार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था, जिसके कारण यह महीना शिव-पार्वती के मिलन का भी प्रतीक माना जाता है। गुमला का टांगीनाथ धाम अपनी प्राचीन धरोहर, जंगरोधी त्रिशूल तथा सैकड़ों शिवलिंगों के कारण प्रसिद्ध है। वहीं रायडीह प्रखंड स्थित वासुदेवकोना अपने प्राचीन शिव मंदिर और दुर्लभ शिल्पकृतियों के लिए जाना जाता है। इस वर्ष सावन 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त तथा चौथा 24 अगस्त को पड़ेगा। श्रद्धालु बेलपत्र, गंगाजल, धतूरा एवं अन्य पूजन सामग्री से भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना कर रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट से बुक डिपो में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

गुमला। जिला मुख्यालय स्थित पालकोट रोड पर टेलीफोन एक्सचेंज के सामने संचालित विद्यासागर बुक डिपो में रविवार सुबह लगभग 5:15 बजे भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। दुकान में बड़ी मात्रा में किताबें, कॉपियां और कागज होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी दुकान उसकी चपेट में आ गई। घटना के समय दुकान संचालक श्रवण कुमार अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ भवन के अंदर मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सूचना देने के लगभग डेढ़ घंटे बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। इस अग्निकांड में पीड़ित व्यवसायी को लाखों रुपये की क्षति होने का अनुमान है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यदि दमकल समय पर पहुंच जाती तो नुकसान काफी कम हो सकता था। मामले को लेकर क्षेत्र में लोगों में नाराजगी देखी गई।

जर्जर सड़क पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कीचड़ में धान रोपकर किया विरोध प्रदर्शन

गुमला। बसिया प्रखंड के तुकई तानालोया गांव की जर्जर कच्ची सड़क को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया है। लगातार बारिश के कारण सड़क दलदल में तब्दील हो गई है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर धान रोपकर अनोखे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के खिलाफ रोष व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है, लेकिन वर्षों से सड़क की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। सड़क की बदहाल स्थिति का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, मरीजों और ग्रामीणों पर पड़ रहा है। हल्की बारिश होने पर बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते हैं और गंभीर रूप से बीमार लोगों तक एंबुलेंस भी नहीं पहुंच पाती। इससे आसपास के लगभग दस गांवों के हजारों लोग परेशान हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। लोगों का कहना है कि सड़क जैसी मूलभूत सुविधा से लंबे समय तक वंचित रखना ग्रामीणों के साथ अन्याय है।

घाघरा आभूषण लूटकांड में बड़ी सफलता, बिहार के कैमूर से तीन संदिग्ध गिरफ्तार

गुमला। घाघरा प्रखंड मुख्यालय में हुए करीब एक करोड़ रुपये के आभूषण लूटकांड में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। बिहार के कैमूर जिले की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तीन संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी कैमूर में एक किराये के मकान में रह रहे थे। उनके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी तेज रफ्तार बाइक सहित कई अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार यह लूटकांड 27 अप्रैल 2026 को घाघरा स्थित हरिओम गहना घर में हुआ था। अपराधियों ने हथियार के बल पर दुकान संचालक शशांक सोनी से लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण और नकदी लूट ली थी। घटना के बाद से पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार तीनों संदिग्ध मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी बताए जा रहे हैं। बिहार की कैमूर पुलिस ने इस संबंध में गुमला पुलिस से संपर्क किया है और दोनों राज्यों की पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। पुलिस का मानना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद लूटकांड से जुड़े अन्य अपराधियों तथा लूटे गए आभूषणों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

महिला सशक्तिकरण समाज के विकास की आधारशिला : शारदा सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

रांची/ धनबाद। राजधानी रांची के पुराना विधानसभा परिसर में क्षत्रिय गौरव मंच, झारखंड प्रदेश द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया तथा महिलाओं को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर बल दिया। अपने संबोधन में शारदा सिंह ने कहा कि महिलाएं समाज की शक्ति, संस्कार और विकास की आधारशिला हैं। वर्तमान समय में महिलाएं अपनी प्रतिभा, नेतृत्व

क्षमता और दृढ़ संकल्प के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन महिलाओं को एकजुट होकर अपने अधिकारों, कर्तव्यों और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक होने का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा मजबूत होती है।

उन्होंने महिलाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने, आत्मनिर्भर बनने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर होंगी, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव होगा। उन्होंने सम्मेलन के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में पूजा सिंह, नीतू सिंह, सुलेखा देवी, रेणु सिंह, रिभा देवी, चंदा देवी, आराध्या सिंह, कुसुमलता सिंह, संगीता सिंह, वंदना सिंह, ज्योति सिंह, नेहा सिंह, विनीता सिंह, गीता सिंह, निशि सिंह, करुणा सिंह, हेमलता सिंह, बबीता सिंह, मधु सिंह, पुष्पा सिंह सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग शीघ्र चालू कराने की मांग, प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह थाना क्षेत्र के समीप भू-धंसान के कारण लंबे समय से बंद पड़े धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को शीघ्र चालू कराने की मांग तेज हो गई है। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर सड़क को अविलंब चालू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण मार्ग के बंद रहने से आम लोगों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हजारों लोग प्रतिदिन इस सड़क का उपयोग करते हैं, लेकिन मार्ग बंद होने के कारण उन्हें लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त बर्बादी हो रही है। रत्नेश कुमार ने आरोप लगाया कि बीसीसीएल की लापरवाही के कारण यह सड़क लंबे समय से बंद पड़ी है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। उनका कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि केवल निरीक्षण तक सीमित हैं, जबकि सड़क को चालू कराने की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में प्रभावित क्षेत्र में गैस रिसाव की समस्या और गंभीर हो जाती है। रत्नेश कुमार ने बीसीसीएल और डीजीएमएस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उपायुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जल्द से जल्द चालू कराने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

राज सिन्हा की अध्यक्षता में भाजपा की संगठनात्मक बैठक, आगामी अभियानों की बनी रणनीति

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक एवं धनबाद विधायक राज सिन्हा की अध्यक्षता में रविवार को जगजीवन नगर स्थित उनके आवासीय कार्यालय में धनबाद विधानसभा स्तरीय महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी दिनों में होने वाले विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा, तैयारियों तथा उनके सफल संचालन को लेकर जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा अध्यक्षों एवं प्रमुख कार्यकताओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत 4 अगस्त को झारखंड प्रदेश से आने वाले विशेष कलश के धनबाद विधानसभा के सभी मंडलों में भव्य स्वागत तथा 5 अगस्त को जोड़ाफाटक राम मंदिर परिसर में आयोजित समरसता प्रसाद वितरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके अलावा 'हर घर तिरंगा' अभियान, प्रस्तावित तिरंगा यात्रा तथा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। विधायक राज सिन्हा ने कार्यकताओं से संगठन के सभी कार्यक्रमों को अनुशासन, समर्पण और पूर्ण ऊर्जा के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सेवा का संदेश पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बैठक में जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, पुरुषोत्तम रंजन, भाजयुमो अध्यक्ष नित्यानंद मंडल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिहरगंज में शिक्षकों का हुआ सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। नगर पंचायत अंतर्गत शांति नगर स्थित ऐश्वर्या संगीत प्रशिक्षण केंद्र में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में रविवार को शिक्षकों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एलआइसी अभिकर्ता मारकंडे मिश्रा एवं उनकी पत्नी शिक्षिका लता कुमारी ने किया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने गीत, संगीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सीता +2 उच्च विद्यालय की छात्रा सह भक्ति गायिका ऐश्वर्या मिश्रा ने शिक्षकों के सम्मान में स्वागत गीत तथा भक्तिमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया, जिसकी श्रोताओं ने जमकर सराहना की। समारोह के दौरान सभी आमंत्रित शिक्षकों को फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु समाज के निमार्ता होते हैं। उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। गुरु का सम्मान भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा है, जिसे सदैव बनाए रखना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक ओरेन्द्र कुमार यादव ने किया। मौके पर प्रधानाध्यापक अजय प्रसाद राय, अधिवक्ता राज किशोर सिंह, घनश्याम कुमार, शिक्षक मनोज सिंह, मदन सिंह, मृत्युंजय सिंह, बसंत सिंह, संतोष राय, विजय सिंह, विमलेश पाठक, घनश्याम पाठक, संजय विश्वकर्मा, हिमांशु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पुलिस से बचने के चक्कर में पलटा भूसे से लदा ट्रक, सड़क पर बिखरी अंग्रेजी शराब, खुली तस्करी की पोल

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। चतरा-गया डोभी मुख्य मार्ग पर स्थित संघरी घाटी में हुए एक सड़क हादसे ने अवैध शराब तस्करी के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस से बचने की जद्दोजहद में भूसे से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके बाद उसमें छिपाए गए तस्करी के बड़े खेल की पोल खुल गई। हादसे के बाद का नजारा हैरान करने वाला था। भूसे के बोरों के अंदर छिपाकर ले जाई जा रही हरियाणा लेबल और 'रॉयल चैलेंज' ब्रांड की महंगी अंग्रेजी शराब की अनगिनत बोतलें सड़क पर बिखर गईं। बीच सड़क पर शराब की बोतलें देख वहां से गुजरने वाले राहगीरों में लूट की होड़ मच गई। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे तस्कर भूसे की आड़ में अवैध शराब का बड़ा कारोबार चला रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी अनिल कुमार उरांव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस संदिग्ध ट्रक का पीछा कर रही थी, तभी तेज रफ्तार के कारण तस्करों का ट्रक पलट गया। हादसे का फायदा उठाकर चालक और उपचालक मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से लाखों रुपये की बची हुई शराब को जब्त कर लिया है और उसे थाने ले आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की यह बड़ी खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां खपाया जाना था। पुलिस का दावा है कि जल्द ही फरार तस्करों को गिरफ्तार कर इस पूरे सिंडिकेट का बड़ा पदार्फाश किया जाएगा।

हरित धनबाद संकल्प संस्था ने पुलिस केंद्र में किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ हरित धनबाद संकल्प संस्था द्वारा पर्यावरण जागरूकता यात्रा के अंतर्गत पुलिस केंद्र, धनबाद में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा हरित धनबाद के निर्माण का संदेश देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर सार्जेंट अवधेश कुमार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पौधे केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर धनबाद जिला पुलिस विभाग के मेस अध्यक्ष रितेश कुमार, प्रभारी चारु बेदिया, मोहम्मद साजिद, जेहन उरांव, मस्त मौला यादव, विपुल कुमार तथा पप्पू कुमार ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था की ओर से अध्यक्ष सुभाष कुमार वाल्मीकि, सचिव रंजीत कुमार गुप्ता, सुनील राय, बैंक ऑफ इंडिया के महादेव दास, जुगल कुमार, राहुल कुमार और रवि वाल्मीकि सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पौधारोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल भी आवश्यक है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से अपने घर, विद्यालय, कार्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई।

असंगठित मजदूर मोर्चा की जिला समिति की बैठक संपन्न

संगठन विस्तार व आंदोलन की रणनीति पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी। असंगठित मजदूर मोर्चा की जिला समिति की बैठक रविवार को सिंदरी के रंगामाटी स्थित आर.एम.के. 4-478 परिसर में जिला अध्यक्ष सुरेश प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव पवन महतो ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मोर्चा के केंद्रीय महामंत्री निताई महतो उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए निताई महतो ने कहा कि जिले में असंगठित मजदूर मोर्चा को सशक्त संगठन के रूप में स्थापित करने के लिए जिला समिति के सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन का विस्तार करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल सदस्यता अभियान चलाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजदूरों की समस्याओं को लेकर जमीनी स्तर पर संघर्ष और आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार करनी होगी। उन्होंने कार्यकताओं से सक्रिय

भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का आधार बनेगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त को आयोजित होने वाले कोयला मजदूरों के आंदोलन में असंगठित मजदूर मोर्चा सक्रिय भागीदारी करेगा। इसके अलावा 31 अगस्त को हर्ल, पावर मैक्स टसरा परियोजना तथा एफसीआई के समक्ष विशाल प्रदर्शन कर प्रबंधन को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर शशि सिंह, बिरंचि महतो एवं सुरेंद्र कुमार वर्मा को जिला समिति का संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज मंडल, उपाध्यक्ष बाबू राजा, सिंदरी नगर अध्यक्ष जीतू सिंह, शुभम सिंह, नागेंद्र सिंह, प्रदीप हरिजन, रमेश महतो, वीरेंद्र प्रसाद रवानी, सहदेव सिंह, कामदेव सिंह, जितेंद्र शर्मा, अष्टमी महतो, सीमा देवी, गीत टुडू, सरस्वती टुडू, गणेश दास, अनिल गुप्ता, राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरोप विद्युत जेई पर करोड़ों की अनियमितता का आरोप

प्रखंड प्रमुख ने डीसी से उच्चस्तरीय जांच की मांग की

विद्युत विभाग के एसडीओ पर पीपरा प्रखंड प्रमुख गुड्डु यादव ने लगाए गंभीर आरोप

झारखंड दर्शन संवाददाता

पीपरा। प्रखंड प्रमुख विक्रांत सिंह यादव ने छतरपुर विद्युत डिवीजन में पदस्थापित जेई गुणवंत कुमार पर गंभीर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पलामू उपायुक्त को आवेदन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच कराने तथा तत्काल विभागीय कार्रवाई की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, ऊर्जा सचिव, झारखंड

सरकार, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, विद्युत अधीक्षण अभियंता डालटनगंज एवं कार्यपालक विद्युत अभियंता छतरपुर को भी भेजी गई है। प्रखंड प्रमुख ने आवेदन में कहा है कि गुणवंत कुमार छतरपुर में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। पदस्थापन के दौरान उन्होंने विभागीय नियमों और प्राक्कलन की अनदेखी करते हुए कई स्थानों पर निजी हित में कार्य कराया। आवेदन के अनुसार लोहरसी पेट्रोल पंप पर 25 केवीए, एचडीएफसी बैंक छतरपुर में 100 केवीए तथा करनीमा माइंस के समीप बिना विभागीय प्राक्कलन के 63 केवीए ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली कनेक्शन दिया गया। आरोप है कि इन कार्यों के लिए दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में आवंटित ट्रांसफार्मरों का उपयोग किया गया, जिससे वहां के उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि सादमा से करमा चराई तक लगभग 10 किलोमीटर लंबी 11 केवी लाइन बिना स्वीकृत प्राक्कलन के तैयार कराई गई। इस लाइन में विभागीय सामग्री एवं कंडक्टर का उपयोग कर एस्ट्रा वेंचर प्लांट तथा टेलारी स्टोन माइंस को बिजली आपूर्ति दी गई। वहीं सुल्तानी घासीखाप स्थित चैंपियन स्टोन माइंस में भी विभागीय सामग्री का उपयोग कर 11 केवी लाइन निर्माण कराने का आरोप लगाया गया है।

प्रखंड प्रमुख ने आवेदन में स्मार्ट मीटर लगाने में अनियमितता, निजी मीटर लगाने के नाम पर रुपये लेने, विभागीय राजस्व को नुकसान पहुंचाने, उपभोक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा शिकायत करने वालों को धमकाने जैसे आरोप भी लगाए हैं। इसके अलावा पीपरा फीडर से विभिन्न माइंस तक बिजली आपूर्ति एवं घाघरा हरिहरगंज क्षेत्र में 63 केवीए ट्रांसफार्मर लगाने में भी अनियमितता का आरोप लगाया गया है। आवेदन में कई स्थलों के अक्षांश-देशांतर का भी उल्लेख किया गया है।

प्रखंड प्रमुख विक्रांत सिंह यादव ने उपायुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है।

बिजली व्यवस्था के खिलाफ आज हरिहरगंज पावर सब स्टेशन पर होगा आक्रोश मार्च व धरना

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। प्रखंड तथा नगर पंचायत में लगातार लचर विद्युत व्यवस्था को लेकर सांसद प्रतिनिधि सह भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिजली विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अनियमित बिजली आपूर्ति और लो वोल्टेज से आमजन, विद्यार्थी, छोटे व्यवसायी और किसान सभी परेशान हैं। पर्याप्त बारिश नहीं होने से धान के बिचड़े सूख रहे हैं और किसान बिजली के अभाव में सिंचाई भी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे खेती पर संकट गहरा गया है। उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर सोमवार सुबह 10 बजे हरिहरगंज पावर सब स्टेशन पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले अररुआ खुर्द मिडिल स्कूल मैदान से आक्रोश मार्च निकाला जाएगा, जो पावर सब स्टेशन पहुंचकर धरना में तब्दील होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मृत्युंजय सिंह, अखिल मेहता, शंभू सिंह, संजय जायसवाल, अजय सिंह, विश्वदीप कुमार, मो. एजाज, दिनेश स्वर्णकार, विनोद पासवान,त्रिपुरारी राम, मनीष कुमार, अशोक सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एलियट एंडरसन के खेल पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। मैनचेस्टर सिटी के सबसे महंगे खिलाड़ी मिडफील्डर एलियट एंडरसन की अब लीग में कड़ी परीक्षा होगी। एलियट के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सिटी ने उसे रिकार्ड 116 मिलियन पाउंड में अपने साथ जोड़ा है। इससे 23 वर्षीय एंडरसन ब्रिटेन के सबसे महंगे फुटबॉलर हैं, जो उनकी प्रतिभा और बढ़ती मांग को दर्शाता है।यह घटनाक्रम इस बात की स्पष्ट पुष्टि करता है कि प्रीमियर लीग क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं पर कितनी बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हैं, खासकर जब बात स्टार खिलाड़ियों की हो। यह भी बताया जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरूआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था, जिसे नॉटिंघम फॉरेस्ट ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए अस्वीकार कर दिया था। फॉरेस्ट प्रबंधन एंडरसन की असाधारण प्रतिभा और पिछले सत्र के प्रदर्शन को देखते हुए एक बड़ी कीमत पर अडिग था, जिसका परिणाम यह रिकॉर्ड-तोड़ सौदा है। एंडरसन का पिछला प्रीमियर लीग सत्र उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा, जहां उन्होंने नॉटिंघम फॉरेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने लीग के सभी 38 मुकाबलों में हिस्सा लिया और केवल एक बार ही शुरूआती एकादश से बाहर रहे, जो उनकी निरंतरता, फिटनेस और मैच-विनिंग क्षमता का प्रमाण है। उनकी इस निरंतरता और प्रभावशीलता ने ही उन्हें प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक की नजरों में ला खड़ा किया। मैनचेस्टर सिटी में उनका आगमन टीम की पहले से ही मजबूत मिडफील्ड को और गहराई देगा और उन्हें घरेलू तथा यूरोपीय दोनों प्रतियोगिताओं में अपनी श्रेष्ठता बनाए रखने में मदद करेगा।एलियट एंडरसन का यह ट्रांसफर न केवल उनके व्यक्तिगत करियर में एक बड़ा मोड़ है, बल्कि यह प्रीमियर लीग में बढ़ती वित्तीय शक्ति और शीर्ष खिलाड़ियों की बढ़ती मांग को भी उजागर करता है।

गुलवीर राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत जीतने वाले पहले भारतीय

नईदिल्ली। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमण्डल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ का रजत पदक जीता है। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। इससे पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में ये स्पर्धा नहीं जीती थी। गुलवीर ने इस दौड़ के दौरान संयम बनाये रखा। अंतिम लैप में उन्होंने तेजी से दौड़ते हुए चौथे स्थान से दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने यह रेस 27:49.78 सेकेंड में पूरी की। वहीं ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकेंड समय निकालकर दूसरा जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की ने 27:50.28 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता। यह उपलब्धि इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि साल 1986 के बाद से ही यह पहली बार है जब पुरुषों की 10,000 मीटर रेस के पोडियम पर किसी अफ्रीकी देश के खिलाड़ी की जगह पर भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। गुलवीर ने इससे पहले साल 2022 एशियाई खेलों की इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। गुलवीर ने रेस की शुरूआत तेजी से की। पहले 1000 मीटर के बाद वह तीसरे स्थान पर थे। 2000 मीटर तक भी उन्होंने अपनी स्थिति बनाए रखी। इसके बाद वह पांचवें और फिर छठे स्थान पर फिसल गये। 4000 मीटर शेष रहते ही वह पांचवें स्थान पर थे पर उन्होंने हार नहीं मानी। जैसे-जैसे रेस अंतिम चरण में पहुंची, गुलवीर ने अपनी गति बढ़ाई और पदक की दौड़ में जोरदार वापसी की। गौरतलब है कि गुलवीर ने पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी थी। उन्होंने साल 2022 एशियाई खेलों में 10,000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वहीं अब राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है।

ग्लासगो में भारतीय बॉक्सरों की चमक

अंकुश–सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना को रजत

एजेंसी

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के मुक्केबाजी अभियान को नई ऊंचाई दी, जबकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया।

अंकुश पंघाल बने 80 किग्रा वर्ग के चैंपियन

पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने मेजबान इंग्लैंड के शिट्टू डिमेजी को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पहले राउंड में कुछ जजों के स्कोरकार्ड पर पिछड़ने के बावजूद अंकुश ने दूसरे और तीसरे राउंड में शानदार वापसी की। आक्रामक पंच, सटीक काउंटर अटैक और बेहतरीन रिंग कंट्रोल के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। तीन जजों ने उन्हें 29-26 से विजेता घोषित किया, जबकि अन्य दो जजों ने 28-27 का फैसला दिया, जिनमें एक अंकुश और एक इंग्लैंड के मुक्केबाज के पक्ष में था।

सचिन सिवाच ने रोमांचक मुकाबले में जीता गोल्ड

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत के सचिन सिवाच ने नामीबिया के ट्रायअगेन मोर्नी नदेवेलो को बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 के स्प्लिट निर्णय से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तीनों राउंड में कांटे की टक्कर देखने को मिली। सचिन ने पूरे मुकाबले में संयम बनाए रखा और निर्णायक मौकों पर सटीक पंच लगाकर जजों को प्रभावित किया। अंत में तीन जजों ने भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया, जबकि दो जजों ने नामीबियाई खिलाड़ी को बढ़त दी।

लवलीना को मिला रजत पदक

महिला 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत की स्टार मुक्केबाज और टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं को ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री के खिलाफ 4-1 के स्प्लिट फैसले से हार का सामना करना पड़ा। लवलीना ने पूरे मुकाबले में शानदार संघर्ष किया और कई प्रभावी पंच भी लगाए, लेकिन जजों ने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज की आक्रामकता और रिंग नियंत्रण को अधिक प्रभावी माना। इसके बावजूद लवलीना ने रजत पदक जीतकर भारत के पदक अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुक्केबाजी में भारत का दबदबा

शनिवार को भारतीय मुक्केबाजों ने कुल नौ पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण और दो रजत शामिल रहे। स्वर्ण पदक जीतने वालों में अंकुश पंघाल, सचिन सिवाच, अरुंधति चौधरी, प्रिया, साक्षी, प्रीति और जैस्मीन शामिल हैं, जबकि लवलीना बोरगोहाईं और जादूमणि सिंह ने रजत पदक हासिल किए। इसके अलावा पुरुषों की एफ-57 शॉटपुट स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया तथा जूडो में कांस्य पदक भी जीता। इन उपलब्धियों के दम पर भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। भारत के खाते में अब तक 35 पदक आ चुके हैं, जिनमें 11 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल हैं। मुक्केबाजी में अभी भी कई भारतीय खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुके हैं, जिससे पदकों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है।

तन्वी ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रचा

एजेंसी

ताइपे (ताइवान)। भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया।

महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं।

उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकॉर्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं। तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

पीवी सिंधु ने तन्वी शर्मा को दी बधाई, बोलीं- 'मुझे तुम पर गर्व है'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय तन्वी शर्मा को बधाई दी। सिंधु ने कहा कि यह तो बस शुरूआत है और मेहनत करती रहो। मुझे तुम पर गर्व है।

तन्वी शर्मा ने रविवार को ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मुझे इस लड़की पर बेहद गर्व है। मैं कई वर्षों से कहती आ रही हूं कि तन्वी में एक बेहद खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। प्रतिभा, शानदार शॉट्स खेलने की क्षमता और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का सामना करने का साहस, उसमें सब कुछ है।

सिंधु ने आगे कहा कि उसे केवल थोड़ी और स्थिरता और अनुभव की जरूरत थी और यह देखकर बहुत खुशी होती है कि अब वह सब उसके खेल में दिखाई दे रहा है। तन्वी, यह तो सिर्फ शुरूआत है। मेहनत करती रहो, खुद पर विश्वास बनाए रखो और हमेशा बेहतर बनने की भूख बनाए रखो। तुम जैसे खिलाड़ियों के साथ भारतीय बैडमिंटन का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने युवा तन्वी को बधाई और कहा कि भारतीय बैडमिंटन का भविष्य उज्ज्वल है। प्राधिकरण ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 17 साल की उम्र। निडर। जिसे कोई रोक न सके। इतिहास अब तन्वी शर्मा के नाम है।

पहली जीत के लक्ष्य के साथ आज मैदान में उतरेगी पुरानी दिल्ली-6

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 में अपने पहले मैच में हार झेलने के बाद पुरानी दिल्ली-6 सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस का सामना करते हुए वापसी करने की कोशिश करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है।

टूर्नामेंट के पहले हाई-स्कोरिंग मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स से चार विकेट से हारने के बावजूद पुरानी दिल्ली 6 को कई सकारात्मक बातें सीखने को मिलीं, जिनमें सबसे खास कप्तान अनुज रावत की शानदार नाबाद शतकीय पारी थी। पहले मैच में जब टीम का स्कोर 30/3 था, तब कप्तान अनुज ने दबाव में पारी संभाली और देव लाकरा के साथ मिलकर 132 रनों की साझेदारी की, जिससे पुरानी दिल्ली 6 ने 202/4 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। हालांकि नतीजा उनके पक्ष में नहीं रहा और सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने छह विकेट पर 204 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। अब पुरानी दिल्ली 6 अपने अगले मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी और टीम पहले मैच से मिली सकारात्मक चीजों को आगे बढ़ाना चाहेगी। सोमवार के मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम ने जल्दी ही अपना ध्यान अगली चुनौती पर लगा लिया है और जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं और शतक लगाना हमेशा खास होता है। बेशक, अगर टीम मैच जीत जाती तो और भी अच्छा लगता, क्योंकि आखिर में टीम की सफलता ही सबसे ज्यादा मायने रखती है। अच्छी बात यह है कि मैं अच्छी लय में हूं और इस फॉर्म को अगले मैच में भी बरकरार रखना चाहता हूं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जयवर्धने, पोंटिंग सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे अधिक कैच

एजेंसी

नईदिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही फिल्डिंग का भी खासा महत्व है। अच्छी फिल्डिंग के जरिये मैचों का रुख बदलते हुए देखा गया है। इस कारण एक कहावत है कैच पकड़ों और मैच जीतो। इसी कारण टीमें शुरूआत से ही फिल्डिंग पर जोर देती रही हैं। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक फील्डर हुए हैं। जिन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान किया है।

महेला जयवर्धने : श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने सबसे अच्छे फील्डरों मे शीर्ष पर हैं। साल 1997 से 2015 तक चले अपने 18 साल के शानदार करियर में जयवर्धने ने 652 मैचों की 768 पारियों में कुल 440 कैच लिए हैं। स्लिप में उनकी उंगलियों से कोई गेंद बच नहीं पाती थी। एक मुकाबले में चार कैच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जबकि प्रति पारी कैच का उनका औसत 0.572 था।

रिकी पोंटिंग : वहीं दूसरे नंबर पर

ऑस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानों और बल्लेबाजों में शुमार रिकी पोंटिंग हैं। 1995 से 2012 के दौरान पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 560 मैचों की 717 पारियों में 364 कैच अपने नाम किए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा, पोंटिंग पॉइंट और स्लिप में फुर्ती के लिए जाने जाते थे। उनका एक पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन कैच का रहा है, जबकि उनका प्रति पारी कैच औसत 0.507 दर्ज किया गया है।

रॉस टेलर : न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक रॉस टेलर इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। 2006 से शुरू हुए अपने लंबे अंतर्राष्ट्रीय करियर में टेलर ने 454 मैचों की 550 पारियों में 354 कैच पकड़े हैं। स्लिप में रॉस टेलर की निरंतरता कमाल की थी।

व्यापार

जुलाई में देश का कोयला उत्पादन 7.51 प्रतिशत बढ़ा, आवंटन में 17.34 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जुलाई के दौरान कोयला उत्पादन में 7.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल उत्पादन 69 करोड़ 75 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि जुलाई 2025 में यह 64 करोड़ 88 लाख टन था। इसी महीने कोयला आवंटन में भी उल्लेखनीय 17.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 86 करोड़ 33 लाख टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जुलाई में यह 73 करोड़ 57 लाख टन था। कोयला मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में जुलाई तक का संचयी उत्पादन 302 करोड़ 24 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि संचयी आवंटन 354 करोड़ 70 लाख टन (अनंतिम) दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5.87 प्रतिशत अधिक है।

कोल इंडिया लिमिटेड ने जुलाई में 50 करोड़ 35 लाख टन (अनंतिम) उत्पादन किया, जो जुलाई 2025 की तुलना में 8.42 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने जुलाई 2026 में 63 करोड़ 67 लाख टन (अनंतिम) कोयला प्रेषित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.43 प्रतिशत अधिक है। संचयी आवंटन में भी 6.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

जुलाई माह में बायर की भूमिका में लौटे विदेशी निवेशक, स्टॉक मार्केट में किया 20,199 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। साल 2026 में ज्यादातर समय तक बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहने के बाद जुलाई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लिवाल (बायर) की भूमिका में बने रहे। जुलाई के पहले लगातार चार महीने यानी जून, मई, अप्रैल और मार्च में एफपीआई घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए थे। लेकिन, इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की। इस महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया।

एक जुलाई से 31 जुलाई के बीच के 23 कारोबारी दिन के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इक्विटी की लिवाली और बिकवाली मिला कर स्टॉक मार्केट में शुद्ध 20,199 करोड़ रुपये का निवेश किया। माना जा रहा है कि भारत में बेहतर होते घरेलू आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बीच भारतीय बाजार में खरीदारी का यह रुझान देखने को मिला है।

साल 2026 में जुलाई में हुई खरीदारी के पहले सिर्फ फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक खरीदार की भूमिका में नजर आए थे। फरवरी में एफपीआई ने कुल 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जुलाई के पहले जून के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

अगर साल की शुरूआत से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली और बिकवाली के आंकड़े की बात करें तो जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में दिखी सांकेतिक तेजी

साप्ताहिक आधार पर चांदी के भाव में 5 हजार रुपये की गिरावट आई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दो दिन तक तेजी दिखाने के बाद सोने की कीमत में आज कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत चांदी के भाव में सांकेतिक तेजी नजर आ रही है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 360 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चांदी के भाव में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी नजर आ रही है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक नीचे आ गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, सोमवार 03 अगस्त 2026
E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

जर्जर सड़क से अंतिम संस्कार में बाधा, ग्रामीणों ने किया पथावरोध

एजेंसी

कूचबिहार। निमार्णाधीन फालाकाटा-सलसलाबाड़ी हाईवे की बदहाल स्थिति और अव्यवस्था के कारण एक मृत महिला के अंतिम संस्कार में भारी बाधा उत्पन्न हो गई। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, फालाकाटा दो नंबर ग्राम पंचायत के रायचेंगा इलाके की निवासी बकुली शील सरकार (80) का शनिवार देर रात निधन हो गया। क्षेत्र के लोगों का श्मशान घाट कालीपुर में चरतोर्षा नदी के किनारे स्थित है। परंपरा के अनुसार, रविवार को ग्रामीण करीब तीन किलोमीटर पैदल शव को कंधे पर लेकर श्मशान की ओर जा रहे थे। लेकिन फालाकाटा-सलसलाबाड़ी निमार्णाधीन हाईवे के पास पहुंचते ही उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आरोप है कि श्मशान तक जाने वाला एकमात्र लिंक रोड लगातार बारिश के कारण कई दिनों से धंस गया है, जिससे रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। स्थिति ऐसी हो गई कि शव को श्मशान तक ले जाना असंभव हो गया। यहां तक कि अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी और अन्य सामान लाने वाला टोटो वाहन भी धंसी हुई सड़क और गड्ढों के कारण आगे नहीं बढ़ सका। मजबूर होकर ग्रामीणों ने सड़क किनारे शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ आक्रोशित ग्रामीण खुद कुदाल लेकर सड़क को समतल करने की कोशिश में जुट गए। लगभग एक घंटे तक अफरा-तफरी और भारी दुश्वारियों का माहौल बना रहा।

घटना की सूचना मिलने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण हरकत में आया और मौके पर एक अर्थमूवर (जेसीबी) भेजा गया। हालांकि, देर से की गई कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में काफी रोष देखा गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सड़क प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों से बातचीत कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल जेसीबी की मदद से रास्ते को अस्थायी रूप से चलने लायक बनाया जा रहा है।
।विष्य में स्थायी समाधान के तहत यहां कंक्रीट ड्रेनेज सिस्टम बनाया जाएगा, ताकि बारिश में सड़क दोबारा न धंसे। ग्रामीणों का आरोप है कि हाईवे निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही उन्हें लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसी परिजन के अंतिम संस्कार में भी इस तरह की अमानवीय स्थिति का सामना करना पड़ेगा, इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी।

सब्जियों की असामान्य कीमतों से आम जनता परेशान, हालात का जायजा लेने बाजार में उतरी प्रशासन की टीम

एजेंसी

कूचबिहार। सब्जियों और किराना सामान की बढ़ती कीमतों से आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए रविवार सुबह जिले के भवानीगंज बाजार में पुलिस और प्रशासन की एक संयुक्त टीम ने अचानक छापेमारी की। इस अभियान का नेतृत्व ट्रैफिक डीएसपी विक्रम प्रसाद और कोतवाली थाना प्रभारी सुकुमार घोष ने किया।
अधिकारियों ने बाजार का निरीक्षण कर दुकानदारों और ग्राहकों से बातचीत की। जांच के दौरान यह शिकायत सामने आई कि कई दुकानों में सब्जियों और दालों की कीमत निर्धारित सीमा से अधिक वसूली जा रही है। इस पर

प्रशासन ने व्यापारियों को सख्त चेतावनी दी कि कीमतों में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, व्यापारियों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण थोक बाजार में कीमतें बढ़ गई है, जिसका असर खुदरा बाजार पर भी पड़ रहा है। सब्जियों की महंगाई से जूझ रहे आम लोगों ने प्रशासन से इस तरह की नियमित निगरानी की मांग की है, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

सिलीगुड़ी नगर निगम में जनता की समस्याएं सुनेंगीं शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल

एजेंसी

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी नगर निगम में शहरी विकास और नगर निकाय मंत्री अग्निमित्रा पॉल जनता की शिकायतें सुनेंगीं। इसके साथ ही वह निगम अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगीं। इस कार्यक्रम के लिए वह रविवार सुबह बागडोगरा हवाई अड्डे पहुंची। वहां पत्रकारों से बातचीत में अग्निमित्रा पॉल ने कई मुद्दों पर अपनी सरकार का पक्ष रखा।

उनका आरोप था कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठ करने वाले रोहिंग्याओं लोगों के दस्तावेज तैयार किए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार चुनाव से पहले किए गए वादे पर काम कर रही है।
सड़कों की बदहाल स्थिति पर मंत्री ने कहा कि सरकार क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण कराएगी और दो परतों वाली सड़कें बनाई जाएंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की और बरसात के दौरान लोगों को जलभराव की समस्या से जूझने के लिए छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी तरह की अनियमितता या भ्रष्टाचार की जांच होगी और ठेकेदारों का काम गुणवत्ता जांच के बाद ही स्वीकार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सड़कों के साथ-साथ पेयजल, ड्रेनेज और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी बेहतर की जाएगी।

अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और निर्माण सामग्री (रेत व स्टोन चिप्स) को सड़क पर रखने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाएगा। साथ ही खाली पड़े भूखंडों की सफाई की जिम्मेदारी भी संबंधित जमीन मालिकों की होगी।

कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने आतंकवादी तत्वों को बढ़ावा दिया और आम लोगों को नागरिकता देने के बजाय गलत लोगों को संरक्षण दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि हमीम और अर्पिता नामक व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची थी।

आसनसोल क्लब में 'नारी उत्कर्ष मेला' का भव्य आयोजन

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। द ऐरा रेड कार्पेट फैशन द्वारा आसनसोल क्लब में नारी उत्कर्ष मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम एवं भगवान श्री गणेश की वंदना के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण हो उठा। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) एवं जनस्वास्थ्य अभियंत्रण (पीएचई) मंत्री डॉ. अजय कुमार पोद्दार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित करने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित ऐसे कार्यक्रम समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी हैं। अपने संबोधन में डॉ. पोद्दार ने कहा कि ₹नारी ही समाज की वास्तविक शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को 'नारायणी' का स्वरूप माना गया है। परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रतिभा को उचित मंच एवं सम्मान मिलना समाज के सकारात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में मैथन एलॉयज सीएमडी सुभाष चंद्र अग्रवाल, सीमा दत्ता चटर्जी, दयानंद महाराज, अभय वर्णवाल, सुदीप्तो राय, आशा शर्मा, रूपा गांगुली सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में आयोजक सिमी चटर्जी एवं मेहर राज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जलपाईगुड़ी में टास्क फोर्स की छापेमारी

जलपाईगुड़ी। आम लोगों को बढ़ती कीमतों से राहत दिलाने के लिए रविवार को जलपाईगुड़ी शहर के दिनबाजार में टास्क फोर्स ने अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस के साथ एनफोर्समेंट ब्रांच (ईबी) के अधिकारी भी मौजूद रहे।अभियान के दौरान बाजार में सब्जियों, अंडों सहित विभिन्न खाद्य सामग्रियों के थोक और खुदरा दामों की जांच की गई। जांच में यह शिकायत सामने आई कि कई सब्जियां थोक कीमत की तुलना में दोगुनी से भी अधिक दाम पर बेची जा रही हैं।
इस पर अधिकारियों ने विक्रेताओं से बातचीत कर अधिक कीमत वसूलने के कारणों के बारे में जानकारी ली। साथ ही पुलिस और ईबी की ओर से दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई कि यदि अनावश्यक रूप से अधिक कीमत ली गई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है ताकि आम लोग जरूरी वस्तुएं उचित कीमत पर खरीद सकें और बाजार में कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर रोक लगाई जा सके।

दुर्गापुर में सुरक्षा को लेकर विधायक की बड़ी चेतावनी

पश्चिम बर्दवान। जिले के दुगार्पुर के तपोवन सिटी में नवनिर्वाचित विधायक कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर रविवार को दुगार्पुर पूर्व के विधायक चंद्रशेखर बनर्जी ने स्थानीय लोगों से सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से बहुमंजिली आवासों और मकान मालिकों से किरायेदार रखने से पहले उनकी पूरी पहचान की जांच कराने का अनुरोध किया। विधायक ने कहा कि हाल के दिनों में दुगार्पुर मेन गेट और बर्दवान में कथित आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामलों की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। ऐसे में किसी भी व्यक्ति को किराये पर मकान देने से पहले उसका आधार, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज मलानदीघी पुलिस चौकी और कांकसा थाने में जमा कर पुलिस सत्यापन अवश्य कराया जाए। इससे किरायेदार की पहचान सुनिश्चित होगी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की भी इसमें समान भागीदारी है। छोटी-सी लापरवाही भविष्य में बड़ी समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए सभी नागरिकों से पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया का पालन करने की अपील की गई।
कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय निवासियों ने भी विधायक की इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना था कि इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किरायेदारों का सत्यापन बेहद जरूरी है। प्रशासन और आम जनता के संयुक्त प्रयास से ही सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

बेटी की शादी के लिए रखे गए 7 लाख रुपए की जेवर चोरी

नवादा। नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र के बड़गांव पंचायत स्थित खिदा बीघा गांव में हुई चोरी की बड़ी वारदात ने एक परिवार की खुशियों पर पानी फेर दिया। अज्ञात चोरों ने बैजनाथ यादव के घर में घुसकर बेटी की शादी के लिए रखे गए करीब सात लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। पीड़ित बैजनाथ यादव ने रविवार को बताया कि रात में परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद सो गए थे। इसी दौरान चोर घर में घुस गए और अलमारी में रखे गहने व नकदी लेकर फरार हो गए। रविवार की दोपहर जब भंडार कमरा में गया तो समान बिखरा था,जेवरात गायब थे।सूचना पर सिरदला पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए नवादा से एफएसएल टीम और गया से डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घर के पीछे एक छोटे प्लास्टिक बैग में कुछ चांदी के जेवरात पड़े मिले, जिन्हें सिरदला पुलिस ने बरामद कर थाना ले आई। अपर थाना अध्यक्ष एवं अनुसंधानकर्ता विकास कुमार ने बताया कि इस मामले में सिरदला थाना कांड संख्या 222/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है तथा जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया

रोहतास के नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी की पीट-पीटकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

रोहतास। बिहार के रोहतास जिले के डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की अपराधियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई। घटना के बाद पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि दोनों जिलों की पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार शनिवार को डेहरी स्थित ललन सिंह स्पोर्टिंग क्लब में आयोजित 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सरकारी वाहन से पटना जा रहे थे। देर रात जब उनकी गाड़ी बारुण थाना क्षेत्र के धनौती पुल के समीप पहुंची, तभी घात लगाए अपराधियों ने वाहन का पीछा किया। कुछ दूरी तक ओवरटेक करने के बाद बदमाशों ने चालक की कनपटी पर पिस्तौल सटाकर वाहन रुकवा लिया। इसके बाद अपराधियों ने विमल कुमार पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना के दौरान चालक मौके से भाग गया। बाद में उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई है, ताकि घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा सके। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल विमल कुमार को डेहरी के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रोहतास के जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार, औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा, सासाराम की एसडीएम नेहा कुमारी, डेहरी के एसडीएम निलेश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया। रोहतास के जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे कार्यपालक पदाधिकारी के घायल होने की सूचना मिली थी।

स्मार्ट व्यवस्था की बदहाली, भागलपुर में 3.41 करोड़ के ई-टॉयलेट बना कबाड़, जनता को नहीं मिल रहा लाभ

एजेंसी

भागलपुर। भागलपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के दावों की हवा शहर के आधुनिक ई-टॉयलेट दे रहे हैं। आम जनता और राहगीरों को हाईटेक सुविधा देने के नाम पर भागलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहर में कुल 25 ई-टॉयलेट का निर्माण कराया गया था। लेकिन करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जाने के बाद भी आज स्थिति यह है कि धरातल पर योजना पूरी तरह फ्लॉप साबित हो रही है। रख-रखाव के अभाव में ये हाईटेक शौचालय अब सिर्फ 'शोभा की वस्तु' और कबाड़खाने में तब्दील हो चुके हैं।
जांच रिपोर्टों के अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 3.41 करोड़ रुपये थी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम सर्वश्री रिलायबल एंटरप्राइजेज नामक एजेंसी को सौंपा गया था, जो हाल ही में बड़े टेंडर घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में घिर चुकी है। अनुबंध के मुताबिक, संबंधित एजेंसी को इन ई-शौचालयों को

स्थापित करने के साथ-साथ 5 वर्षों तक इनका संचालन और रख-रखाव करना था। हालांकि, निर्माण पूरा होने के बाद एजेंसी अपने दायित्वों से पूरी तरह मुकर गई।
नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन द्वारा बार-बार बुलाई गईं समीक्षा बैठकों और नोटिसों के बावजूद एजेंसी का कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ, जिससे पूरी व्यवस्था ठप पड़ गई। उल्लेखनीय है कि शहर के प्रमुख और अधिक भीड़भाड़ वाले 12 रणनीतिक स्थानों को चिह्नित कर इन 25 यूनिट्स को लगाया गया था। इनमें मुख्य रूप से सैंडिस कंपाउंड मैदान, लाजपत पार्क, शहर का मुख्य बस डिपो क्षेत्र तथा अन्य प्रमुख व्यावसायिक और सार्वजनिक चौराहे शामिल हैं। इन ई-टॉयलेट में ऑटोमैटिक डोर सिस्टम, सेंसर-आधारित फ्लशिंग और क्लीनिंग, स्मार्ट वाटर मीटर जैसी आधुनिक तकनीकें लगाई जानी थीं, ताकि सफाई कर्मचारियों पर निर्भरता कम हो। मगर जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश जगहों पर पानी और बिजली के कनेक्शन तक सुचारू नहीं हैं। कई शौचालयों के दरवाजे और कीमती उपकरण या तो चोरी हो चुके हैं या टूट चुके हैं। आम लोगों का कहना है कि जहां एक तरफ सरकार स्वच्छता अभियान पर जोर दे रही है, वहीं भागलपुर में अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा बर्बाद किया जा रहा है।

बिहपुर में निमार्णाधीन सामुदायिक भवन का पथ निर्माण मंत्री ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य के निर्देश

एजेंसी

भागलपुर। स्थानीय सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहपुर प्रखंड में बन रहा नया सामुदायिक भवन जल्द ही आम जनता को समर्पित होगा।
रविवार को बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री ने बिहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जमालपुर पंचायत के वार्ड संख्या-9 में पहुंचकर इस निमार्णाधीन सामुदायिक भवन का औचक स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और ईंट, सीमेंट तथा अन्य निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया।
कार्य स्थल पर मौजूद विभागीय अभियंताओं और संवेदक को कड़े निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कार्य निर्धारित सरकारी मानकों के अनुरूप होने

चाहिए और इसे तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।
पथ निर्माण मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सामुदायिक भवन स्थानीय ग्रामीणों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र साबित होगा।
ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-विवाह, सामाजिक बैठकें, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य जनहित के कार्यों के लिए एक उपयुक्त जगह की लंबे समय से मांग थी। इस भवन के बनने से जमालपुर पंचायत सहित आसपास के लोगों को अपने आयोजनों के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा।
इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मंत्री का स्वागत किया और क्षेत्र में चल रही अन्य विकास योजनाओं की स्थिति से भी उन्हें अवगत कराया। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि नीतीश सरकार ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी: नीतीश कुमार

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने अपने आवास पर रविवार को पार्टी के कार्यकताओं एवं समर्थकों से मुलाकात की।
इस अवसर पर उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना, संगठन की गतिविधियों एवं जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर चर्चा की तथा कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यकताओं ने नीतीश कुमार का अभिवादन करते हुए उनके प्रति अपना विश्वास एवं सम्मान व्यक्त किया।
नीतीश कुमार ने कार्यकताओं से जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते रहने तथा आमजन से निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया।
इसी क्रम में पार्टी की नेत्री मोहतरमा शबाना दाउद ने नीतीश कुमार को हस्तनिर्मित बेडशीट का सेट भेंट किया।
शबाना ने बताया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हर परिवार की एक महिला को दस हजार रुपए एवं आगे दो लाख तक सहायता से ही सह संभव हो सका है।
महिलाओं को स्व-रोजगार का अवसर मिला, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं और उनके परिवार की आय में भी वृद्धि

हुई है। नीतीश कुमार ने स्नेहपूर्वक बेडशीट सेट स्वीकार करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की तथा महिला के प्रयासों की सराहना की।
उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार बिहार के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसी योजनाएँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों और समाज के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी।
पूरे प्रदेश की महिलाओं का जीविका से जुड़ने के बाद उनके जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव आया है।
उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत मिली सहायता से उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला, जिससे उनकी आय बढ़ी, परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हुआ और आत्मनिर्भर बनने का विश्वास मिला। उन्होंने बताया कि यह योजना बिहार की लाखों महिलाओं के लिए सम्मान, स्वावलंबन और नए अवसरों का माध्यम बन रही है।
समस्त बिहार की महिलाओं की ओर से नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वरोजगार और आर्थिक उन्नति के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएँ उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आई हैं।
नीतीश कुमार ने बातों को ध्यानपूर्वक सुना, उनके अनुभवों की सराहना की तथा कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। त्रिस्तरीय पंचायती राज में 50 प्रतिशत का आरक्षण, कन्या उत्थान योजना के तहत जन्म से लेकर स्नातक तक आर्थिक सहायता जैसी अनेक योजनाओं सहित सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, 3,886 तीर्थयात्री बालटाल रवाना

जम्मू। भारी बारिश के कारण रोकी गई अमरनाथ यात्रा मौसम में सुधार होने के बाद जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रविवार को फिलहाल बहाल कर दी गई ह बारिश और मलबा आने से बंद हुए 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को मरम्मत के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है। यात्रियों का नया जत्था कड़े सुरक्षा पहरे और एस्कॉर्ट गाड़ियों के साथ आधार शिविर से रवाना किया गया है। इस बीच यात्रियों की सुविधा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाएं भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दी हैं। अधिकारियों के अनुसार, 3,886 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ड़के 2:52 बजे 177 वाहनों के साथ भगवती नगर से कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। यह जत्था 78 बसों, 42 मीडियम मोटर वाहनों, 53 हल्के मोटर वाहनों और चार दोपहिया वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ है। इससे पहले भूस्खलन प्रभावित हिस्सों की मरम्मत के लिए उधमपुर और बनिहाल के बीच एनएच-44 को बंद करने के बाद शनिवार को तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। मरम्मत के बाद शनिवार शाम हाइवे को फिर से खोल दिया गया। यह यात्रा शनिवार को दोबारा शुरू हुई।

अनुशासनहीनता पर बसपा ने अशोक सिद्धार्थ और रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निकाला

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अनुशासनहीनता और पार्टी के दिशा-निदेशों के उल्लंघन के आरोप में पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ और पार्टी के को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ बसपा प्रमुख मायावती के समधी तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता आकाश आनंद के ससुर हैं। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण के मुद्दे पर प्रदेश नेतृत्व के साथ तालमेल नहीं बैठा पाने और अनुशासनहीनता के कारण पार्टी से निकाला गया था। बाद में इस शर्त पर उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल किया गया कि वे भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे। मायावती के अनुसार, दोबारा जिम्मेदारी मिलने के बाद भी अशोक सिद्धार्थ अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित ढंग से नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलावा ओडिशा और पश्चिम बंगाल से भी उनके खिलाफ पार्टी के दिशा-निदेशों की अनदेखी और अनुशासनहीनता की शिकायतें लगातार मिलती रहीं। कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने पर पार्टी और आंदोलन के हित में उन्हें स्थायी रूप से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब उन्हें भविष्य में दोबारा पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और गृहमंत्री ने पिंगली वेंकैया की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने रविवार को स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय ध्वज के निमार्ता पिंगली वेंकैयाकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, 'पिंगली वेंकैया को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि! एक महान स्वतंत्रता सेनानी, सच्चे गांधीवादी और भारत के राष्ट्रीय ध्वज के निमार्ता के तौर पर उन्होंने देश के इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। तिरंगा आज भी हर भारतीय को गर्व के साथ एकजुट करता है; ऐसे में हम उनकी निस्वार्थ सेवा और उनकी अमूल्य विरासत को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं।' ओम बिरला ने कहा कि पिंगली वेंकैया भारत की राष्ट्रीय पहचान, आत्म-सम्मान, एकता के प्रतीक 'तिरंगे' (राष्ट्रीय ध्वज) के डिजाइनर, स्वतंत्रता सेनानी और सच्चे देशभक्त थे जो देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव का शाश्वत प्रतीक है। वेंकैया का जीवन सभी को देशभक्ति, समर्पण और कर्तव्य-बोध की प्रेरणा देता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम और ज्ञान की विभिन्न धाराओं के विकास में पिंगली वेंकैया की भूमिका भारतीयों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

अमेरिकी राज्य इडाहो के रेस्टोरेंट में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या, शूटर भी ढेर

वाशिंगटन। अमेरिका के पर्वतीय राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स शहर के मशहूर इन-एन-आउट बर्गर नामक रेस्टोरेंट में शनिवार दोपहर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कथित बंदूकधारी भी भागते समय मारा गया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इस रेस्टोरेंट ग्रैंड ओपनिंग एक हफ्ते पहले धूमधाम से की गई थी। समाचार चैनल सीबीएस न्यूज के स्थानीय प्रसारण केंद्र केएमवीटी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विन फॉल्स शहर के जन संपर्क अधिकारी जोश पामर ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शूटर भागते समय मारा गया है।

उज्जैन में प्रारंभ हुई श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा-2026

श्री 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन परंपरा के हैं जीवंत प्रतीक : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन केवल एक नगर नहीं, भूत भगवान श्री महाकाल की पावन नगरी है। यहां के 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि दर्शन यात्रा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा आस्था के साथ-साथ आत्मिक जागरण का भी पुण्य अवसर भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा-2026 का शुभारंभ कर वीडियो कान्फ्रेसिंग से श्रद्धालुओं और गणमान्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दर्शन करने जा रहे सभी यात्रियों को अपनी आत्मीय शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश देती है। भगवान शिव समरसता, करुणा और लोककल्याण के प्रतीक हैं। भारत की आध्यात्मिक शक्ति आज पूरे विश्व को आकर्षित कर रही है। यह यात्रा हमारी पवित्र आध्यात्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का अभियान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 84 महादेवों की परिक्रमा शिवभक्ति की प्राचीन और पवित्र परंपरा है। यह यात्रा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक अनुशासन का संदेश देती है। प्रत्येक मंदिर उज्जैन के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का साक्षी है। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त प्रयास है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कम ही होते हैं। श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा में शामिल सभी मातृशक्तियों को आयोजक संस्था द्वारा लाल चुनरी, साडी, रूद्राक्ष की माला, बिल्वपत्र का पौधा निःशुल्क भेंट किए जा रहे हैं। यात्रा के साथ में प्रसिद्ध भजन गायक मनीष तिवारी की भजन मंडली भी चल रही है। उन्होंने कहा कि सावन मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के प्रति सबकी श्रद्धा प्रशंसनीय है। इस यात्रा से हमारी संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढावा मिलेगा, धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा और हमारी सामाजिक समरसता मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राएं केवल आस्था नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की भी शक्ति हैं। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाएं विकसित कर रही है। हमारा लक्ष्य उज्जैन को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र बनाना है।

● मुख्यमंत्री ने यात्रा का शुभारंभ कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से श्रद्धालुओं को किया संबोधित

हमारी पहचान हमारी सभ्यता और संस्कारों से बनती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को सहज और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। प्रशासन और समाज मिलकर इस आयोजन को सफल बनाएंगे जनभागीदारी से ही ऐसे आयोजन भव्य और दिव्य बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृति से जुड़ा समाज ही सशक्त और आत्मविश्वास राष्ट्र बनाता है। इसलिए हमारे युवाओं को भी अपनी संस्कृति, तीर्थ और परंपराओं से जुड़ना चाहिए। क्योंकि हमारी पहचान हमारी सभ्यता और संस्कारों से बनती है। यह यात्रा युवाओं में सेवा, अनुशासन औ राष्ट्रभाव की प्रेरणा जगाएगी।

कार्यक्रम में कई सांसद व विधायक ने की शिरकत : उज्जैन में हुए यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, प्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक गुरु पं. प्रदीप मिश्रा, आध्यात्मिक संत शैलेषानंद महाराज, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, संजय अग्रवाल एवं आयोजन संस्था के पदाधिकारी नारायण यादव, महेश परयानी, ललिता लुल्ला, शेषांत चंदेरिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी करे राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा और ट्रस्ट को लेकर दावा किया कि मंदिर निर्माण के दौरान सैकड़ों करोड़ रुपये की चोरी हुई, सोने-चांदी पिघलाकर बेचे गए और पैसा शेयर बाजार में लगाया गया। उन्होंने इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर डकैती बताते हुए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की।

प्रमोद तिवारी ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मंदिर में सिर्फ चढ़ावे की चोरी नहीं हुई, बल्कि शिला पूजन के समय से ही गड़बड़ियां शुरू हो गई थीं। भाजपा ने मंदिर निर्माण को हमेशा चुनावी मुद्दा बनाए रखा और वास्तविक निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही संभव हुआ।

उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा अधूरे मंदिर में कराई गई और शंकराचार्यों को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि पूजा उन्हीं से कराई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या दौरे की तैयारियों पर 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसमें फूल और कुर्सियों की खरीद कई गुना अधिक कीमत पर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान सात बड़े जमीनी सौदे हुए, जिनमें सर्किल रेट से 17 गुना अधिक रकम का भुगतान किया गया। एक सौदे में 2 करोड़ रुपये की जमीन खरीदकर 10 मिनट बाद 18 करोड़ रुपये में बेची गई। मंदिर से 'चढ़ावा चोरी' होने पर प्रधानमंत्री भी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा 'चढ़ावा चोरी' को भुलाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उन्हें जवाब देना ही होगा। हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एसआईटी जांच कराई जाए ताकि आस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके।

असम बाढ़ : रिलायंस फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ रुपये का दिया योगदान

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का योगदान दिया है। सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि इस संगठन ने संकट के समय में हमेशा असम के लोगों की मदद की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी राज्य ने मुश्किल समय का सामना किया है, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही हैं। डॉ. सरमा ने कोविड-19 महामारी के दौरान फाउंडेशन की मदद को याद किया, जब उसने राज्य के लोगों को समय पर सहायता प्रदान की थी। कहा कि इस नए योगदान से ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

डॉ. सरमा ने कहा कि मैं असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदना, दया और समर्थन के लिए नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

राष्ट्रपति ने पीबीजी 'सोल्जराथॉन' को वर्चुअल माध्यम से दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण से वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रपति अंगरक्षक (पीबीजी) 'सोल्जराथॉन' को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर इस पहल के संरक्षक और मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) वीके सिंह (सेवानिवृत्त) भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने इस मौके पर विशेष डाक आवरण भी जारी किया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित करिअप्पा परेड ग्राउंड में किया गया। 'सोल्जराथॉन' नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करने का अनूठा मंच है। 'रन फॉर सोल्जर्स, रन विद सोल्जर्स' के विजन पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की समर्पण भावना, साहस और बलिदान को सम्मान देना है तथा नागरिकों को सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। इस दौड़ का आयोजन तीन श्रेणियों में किया गया। इसमें पहली 3 किलोमीटर, दूसरी 5 किलोमीटर और तीसरी 10 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। 'सोल्जराथॉन' से प्राप्त राशि का उपयोग सशस्त्र बलों के पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के कल्याण आदि के लिए किया जाएगा। साथ ही यह पहल पीबीजी के घोड़ों और जवानों के सहयोग के लिए भी है।

नेपाल सरकार का विभिन्न हिन्दू संगठनों से महत्वपूर्ण समझौता

नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने पर तीन महीने में सर्वदलीय चर्चा शुरू करने पर बनी सहमति

एजेंसी

काठमांडू। विभिन्न हिंदू संगठनों के आंदोलन के बाद जागी नेपाल सरकार ने महत्वपूर्ण समझौता किया है। धनुषा के प्रमुख जिलाधिकारी प्रेम प्रसाद लुइटेल ने बताया कि इस समझौते में नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने से लेकर धार्मिक स्थलों की निगरानी, विदेशी फंडिंग की जांच और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल किए गए हैं।

समझौते के अनुसार, सरकार तीन महीने के भीतर नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के मुद्दे पर सर्वदलीय और सर्वपक्षीय चर्चा प्रारंभ करेगी तथा आवश्यक संवैधानिक और राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने की पहल करेगी। लंबे समय से हिंदू संगठनों की यह प्रमुख मांग रही है।

समझौते में धार्मिक जुलूसों के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर भी सख्ती बरतने का निर्णय लिया गया है। विशेष रूप से मुहर्रम व अन्य किसी भी धार्मिक जुलूस में हथियार लेकर प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक को सद्भाव बनाए रखा जा सके।

धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के उपयोग को भी नियंत्रित करने पर सहमति बनी है। इसके तहत मस्जिद, मदरसा, चर्च, गुम्बा तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर केवल संबंधित परिसर के भीतर सुनाई देने की सीमा तक ही बजाए जा सकेंगे।

समझौते के अनुसार, मस्जिदों, मदरसों, चर्चों और गुम्बाओं में रहने वाले लोगों की पहचान दर्ज कर उनका अभिलेख तैयार किया जाएगा। साथ ही इन स्थलों से जुड़े विदेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है।

सरकार ने मुस्लिम आयोग की आवश्यकता और औचित्य का पुनर्मूल्यांकन करने पर भी सहमति जताई है। यदि समीक्षा के बाद इसकी आवश्यकता नहीं पाई गई तो इसे समाप्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा मस्जिदों और मदरसों को प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता और विदेशी फंडिंग की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि वित्तीय स्रोतों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

समझौते में वर्ष 2006/07 के बाद प्रदान की गई नेपाली नागरिकताओं की भी जांच करने का प्रावधान रखा गया है। सरकार इस अवधि में जारी नागरिकताओं की वैधानिकता की समीक्षा करेगी।

धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई करने पर सहमति बनी है। सरकार की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान और इसके क्रियान्वयन की समयसीमा पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक होना अभी शेष है।

व्यावसायिक कोयला खनन से देश में उत्पादन एक अरब टन के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में व्यावसायिक कोयला खनन व्यवस्था लागू होने के बाद कोयला उत्पादन एक अरब टन से अधिक रहा है। जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 व्यावसायिक कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे पूर्ण उत्पादन शुरू होने पर प्रतिवर्ष लगभग 47 हजार करोड़ रुपये का राजस्व और करीब 4.75 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

कोयला मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ष 2024-25 में देश का कोयला उत्पादन 1,047.52 मिलियन टन तथा वर्ष 2025-26 में 1,040.08 मिलियन टन रहा। वर्ष 2014-15 में यह उत्पादन 609.18 मिलियन टन था। मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि में कैप्टिव और व्यावसायिक कोयला खदानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राष्ट्रीय उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 के 10.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 20.2 प्रतिशत हो गई।

मंत्रालय ने बताया कि भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला तथा दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा कोयले से पूरा होता है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन भी कोयले पर आधारित है। वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों का आवंटन रद्द किए जाने के बाद पारदर्शी नीलामी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत 18 जून 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत व्यावसायिक कोयला खनन की शुरूआत की गई, जिससे निजी कंपनियों को भी खुले बाजार में कोयला बेचने की अनुमति मिली।

● 2020 से अब तक 141 खदानों की हुई नीलामी

मंत्रालय ने बताया कि जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 कोयला खदानों की नीलामी की गई है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 366.35 मिलियन टन है। इनमें 123 खदानें निजी कंपनियों को मिली हैं तथा 44 सफल बोलीदाता ऐसे हैं, जिन्होंने पहले कभी कोयला खनन नहीं किया था। औसत राजस्व साझेदारी 24.17 प्रतिशत रही, जो निर्धारित न्यूनतम चार प्रतिशत से लगभग छह गुना अधिक है।

वर्ष 2025-26 में कैप्टिव और व्यावसायिक खदानों से कुल 210.46 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ, जो पहली बार 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार कर गया। इनमें व्यावसायिक खदानों का योगदान 26.12 मिलियन टन रहा और वर्तमान में 23 व्यावसायिक खदानें उत्पादन में हैं। मंत्रालय के अनुसार, नीलाम की गई सभी व्यावसायिक खदानों के पूर्ण संचालन पर लगभग 48,756 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश होगा। साथ ही, प्रीमियम से प्राप्त राजस्व वर्ष 2014-15 के 461 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 5,553 करोड़ रुपये हो गया है।

मंत्रालय ने कहा कि सभी नीलाम खदानों को शीघ्र उत्पादन में लाने के लिए मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके परिणामस्वरूप पूर्ण रूप से अन्वेषित खदानों के संचालन की समयसीमा 51 महीने से घटाकर 40 महीने तथा आंशिक रूप से अन्वेषित खदानों के लिए 66 महीने से घटाकर 52 महीने कर दी गई है।

असम में 'भूमि अधिकार कार्यकर्ता' प्रणब डोले पर एनएसए लगाने की कांग्रेस ने की निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने असम सरकार द्वारा 'भूमि अधिकार कार्यकर्ता' प्रणब डोले पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निवारक हिरासत कानूनों का खुला दुरुपयोग है और अदालत के आदेश को निष्प्रभावी करने की कोशिश है।

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि 29 जुलाई को सेशंस कोर्ट ने डोले को जमानत दी थी और अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि 'जहां पारिस्थितिक संरक्षण और आदिवासी अस्तित्व का सवाल जुड़ा हो, वहां वैध स्थानीय चिंताओं को दबाने के लिए आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।' इसके बावजूद 30 जुलाई को असम सरकार ने एनएसए लगाकर उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि डोले को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि उन्होंने ग्रामीणों का समर्थन किया था, जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास प्रस्तावित पांच सितारा रिसॉर्ट का विरोध कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741